श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

साझा करें अपने मित्रों से

सांध्य दैनिक

दुर्ग-रायपुर-बस्तर संभाग

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल

श्रीकंचनपथ ONLINE

visit us http://www.shreekanchanpath.com

वर्ष- 13, अंक - 163

भिलाई, शुक्रवार 1 अप्रैल 2022

पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

बढ़ती गर्मी के फलस्वरूप एक पाली वाले विद्यालयों में किया गया समय परिवर्तन

दुर्ग। बढ़ती गर्मी के कारण जिला दुर्ग के अंतर्गत संचालित प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक शालाओं के शैक्षणिक समयावधि में 02 अप्रेल से परिवर्तन किया जाएगा। जिन स्कूलों में कक्षाएं 01 पाली में संचालित की जाती हैं, उन प्राथमिक व पूर्व माध्यमिक शालाओं में सोमवार से शनिवार तक प्रात: 7:30 बजे से साढ़े 11:30 बजे तक समय निर्धारित किया गया है। इसके अलावा जिन स्कूलों में 02 पालियों में स्कूल संचालित होते हैं, उनका समय यथावत् रहेगा। हाई स्कूल/हायर सेकंडरी स्कूल सर्टिफिक्रेट परीक्षा 2022 ओपन स्कूल परीक्षा, 09 वीं से 11 वीं की स्थानीय परीक्षा अपने निर्धारित समय-सारिणी के अनुरूप संचालित होंगे। जिला शिक्षा अधिकारी श्री अभय जयसवाल ने विद्यार्थियों को विद्यालय में अधिकतम स्तर को बनाए रखने के लिए एवं समय सारिणी का पालन करने के लिए कहा है और संबंधित शिक्षकों, अधिकारियों को समयावधि के अनुरूप सभी कक्षाएं संचालित करने के निर्देश दिए।

परीक्षा पे चर्चा: पीएम मोदी बोले- पेरेंट्स अपने सपनों को बच्चों पर न थोपें

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम मोदी परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम के 5वें संस्करण में विद्यार्थियों को एग्जाम के तनाव से बचने के गुर बता रहे हैं। पीएम मोदी ने छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों से बातचीत की शुरुआत में कहा कि कोरोना के कारण पिछले साल आपसे मिल नहीं पाया, लेकिन इस बार मिलकर अच्छा लग रहा है। परीक्षा से पहले भय और नंबर कम आने से जुड़े प्रश्नों पर पीएम मोदी ने कहा कि परीक्षा जीवन का सहज हिस्सा है। यह आपकी विकास यात्रा का हिस्सा है। आप कई बार एग्जाम दे चुके हैं। परीक्षा के अनुभवों को अपनी ताकत बनाएं। तो आप करते हैं उसमें विश्वास भरें। परीक्षा जीवन का एक पड़ाव भर है।

ऑनलाइन क्लास करते करते ऑनलाइन गेम खेलने और सोशल मीडिया की आदत हो गई है। इस समस्या से कैसे निजात पाएं? इस प्रश्न पर पीएम मोदी ने कहा कि माध्यम चाहे ऑनलाइन हो या ऑफ्लाइन, मन समस्या है। मन लगना चाहिए। मन से पढ़ेंगे तो ध्यान नहीं भटकेगा। जीवन में माध्यम बदलते रहते हैं। ऑनलाइन पाने के लिए है और ऑफ्लाइन बनने के लिए है। मुझे कितना ज्ञान अर्जित करना है मैं अपने मोबाइल फोन पर ले आऊंगा, जो मैंने वहां पाया है ऑफ्लाइन में मैं उसे पनपने का अवसर दूंगा। ऑनलाइन का अपना आधार मजबूत करने के लिए उपयोग करें और ऑफ्लाइन में जाकर उसे साकार करना

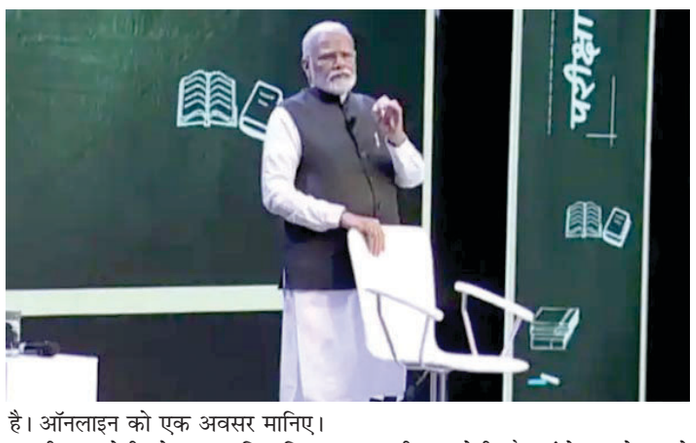

है। ऑनलाइन को एक अवसर मानिए।

पीएम मोदी ने कहा कि जितना आइपैड, मोबाइल फोन के अंदर घुसने में आनंद आता है, उससे हज़ार गुना आनंद अपने भीतर घुसने का होता है। दिन भर में कुछ पल ऐसे निकालिए, जब आप ऑनलाइन भी नहीं होंगे, ऑफ्लाइन भी नहीं होंगे बल्कि इनरलाइन होंगे। जितना अपने अंदर जाएंगे, आप अपनी ऊर्जा को अनुभव करेंगे।

पीएम मोदी ने कहा कि अकसर देखते में आता है कि माता-पिता अपने सपनों और अपेक्षाओं को बच्चों पर थोपते हैं। सभी पेरेंट्स व टीचरों को कहना चाहूंगा - बच्चों की स्ट्रेंथ को पहचानें, यह आपकी कमी है कि आप उसकी ताकत को समझ नहीं पा रहे हैं। दूरी वही से बन जाती है। अपने सपनों को माता-पिता बच्चों पर न थोपें।

पीएम मोदी के संबोधन से पहले शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने कहा कि जीवन में सभी लोग परीक्षा देते हैं। परीक्षा सभी को चिंता में जरूर डालती है लेकिन इस दौरान आत्मविश्वास होना जरूरी है। उन्होंने छात्रों से पीएम मोदी के जीवन और संघर्ष पर बनी फिल्म 'चलो जीते हम' शॉर्ट फिल्म को देखने के अपील की।

इससे पहले गुरुवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा है कि यह चर्चा छात्रों को नई दिशा दिखाएगी। मंत्री ने लोगों से नई दिल्ली स्थित तालकटोरा स्टेडियम में सुबह 11 बजे से शुरू होने वाले कार्यक्रम में शामिल होने का आह्वान किया। यह कार्यक्रम पिछले चार वर्षों से स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय द्वारा आयोजित किया जा रहा है।

सेल्फ मोटिवेटेड होना जरूरी, अपनी हताशा खुद खत्म करें

छात्रों से पीएम मोदी ने कहा कि सेल्फमोटिवेटेड होना भी बेहद जरूरी है। मोटिवेशन के लिए किसी की जरूरत नहीं होती। हताशा की असली वजह समझने की कोशिश करें। हताशा से खुद निपटिए। हार न मानें, कमियों को सुधारकर उसे ही अपनी ताकत बना लें। जीवन में अंदर की सकारात्मक ताकत पहचानें।

पीएम मोदी ने कहा कि नमो ऐप पर स्टूडेंट्स के सभी सवालों को जवाब दूंगा। संबोधन से पहले पीएम मोदी ने आजादी का अमृत महोत्सव, कोरोना के खिलाफदेश की जंग व भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं पर आधारिक बच्चों द्वारा लगाई प्रदर्शनी देखी। विद्यार्थियों की पेंटिंग की उन्होंने काफी तारीफकी।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर बोले पीएम मोदी

स्टूडेंट्स ने नई शिक्षा नीति से जुड़े प्रश्न भी पूछे। स्टूडेंट्स ने पूछा कि कई बार हमारी रुचि कुछ और होती है और हम कुछ और पढ़ रहे होते हैं। नई शिक्षा नीति इस समस्या को कैसे हल करेगी? पीएम मोदी ने कहा कि असल में यह नई शिक्षा नीति नहीं यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी मतलब नेशनल एजुकेशन पॉलिसी न कि न्यू एजुकेशन पॉलिसी) नीति है। कई लोग इसे नई शिक्षा नीति बोल रहे हैं। एनईपी के निर्माण से लेकर इसे लागू करने तक व्यापक विचार विमर्श किया गया है। लाखों लोगों ने इसे बनाया है। सरकार कुछ भी करे तो कहीं न कहीं से तो विरोध का स्वर उठता ही है लेकिन मेरे लिए खुशी की बात है कि समाज के हर तबके में इसका स्वागत बनाया है। देश के शिक्षकों ने इसे देश के भविष्य के लिए बनाया है। एनईपी में खेलकूद को शिक्षा का अनिवार्य विषय बनाया गया। बिना खेले कोई खुल और खिल नहीं सकता। खेल प्रतिस्पर्धी को समझने का मौका देता है। सदी के मुताबिक नहीं चले तो पिछड़ जाएंगे। आज 21वीं सदी के मुताबिक चलना होगा न कि 20वीं सदी के। एनईपी नए रास्ते पर जाने का सम्मान के साथ अवसर देती है। शिक्षा के साथ हुनर का महत्व भी काफी बढ़ गया है। देश भर के शिक्षकों, शिक्षाविद्यों व स्कूलों से आग्रह है कि इसकी बारीकियों को जमीन पर उतारने का प्रयास करें, जितना इसे लागू करेंगे, उतने इसके फायदे मिलेंगे। एनईपी के बहुआयामी और सकारात्मक नतीजे निकलेंगे।

भारत के दो पड़ोसी देश, संकट में सरकारें

श्रीलंका में डीजल खत्म, राष्ट्रपति के घर के बाहर हिंसक प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के दो पड़ोसी देशों पाकिस्तान और श्रीलंका में सरकारें संकट में गिर गई हैं। एक तरफ जहां पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान की सत्ता से बेदखली तय मानी जा रही है, वहीं दूसरी ओर श्रीलंका में राजपक्षे सरकार के खिलाफ जमकर प्रदर्शन हो रहे हैं। श्रीलंका भयानक आर्थिक संकट का सामना कर रहा है। आम लोगों का जन-जीवन बेहाल हो गया है।

श्रीलंका में जारी आर्थिक संकट के बीच राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे के इस्तीफे की मांग को लेकर गुरुवार को उनके आवास के सामने प्रदर्शनकारी जमा हो गए, जिन पर पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े और पानी की बौछार की। श्रीलंका में विदेशी मुद्रा की कमी के कारण ईंधन जैसी आवश्यक चीजों की कमी हो गई है। रसोई गैस की भी कमी हो गई है और बिजली कटौती दिन में 13 घंटे तक की जा रही है।

राजपक्षे परिवार सत्ता के शीर्ष पदों पर काबिज

राष्ट्रपति राजपक्षे के बड़े भाई महिंदा प्रधानमंत्री के रूप में कार्य कर रहे हैं जबकि सबसे छोटे भाई तुलसी के पास वित्त विभाग है। सबसे बड़े भाई चमल कृषि मंत्री हैं जबकि भतीजे नमल खेल के लिए कैबिनेट पद पर हैं। प्रदर्शनकारियों ने राजपक्षे सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शन में शामिल लोगों ने कहा कि सरकार के कुप्रबंधन के कारण विदेशी मुद्रा संकट और गंभीर हो गया है।

इमरान खान के खिलाफ रविवार को संसद में अविश्वास प्रस्ताव

वहीं, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने नेशनल असेंबली में बहुमत खोने के बावजूद कहा कि वह इस्तीफा नहीं देंगे और 'अंतिम गेंद तक खेलेंगे।' उन्होंने कहा कि वह रविवार को होने वाले अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान का सामना करेंगे, जिसमें फैसला होगा कि देश किस दिशा में जाएगा। संसद में अविश्वास प्रस्ताव का सामना करने का संकल्प लेते हुए खान ने कहा कि मैं साजिश के खिलाफ लड़ूंगा और इसे कभी सफल नहीं होने दूंगा।

श्रीलंका में विदेशी मुद्रा की भारी किल्लत

दो करोड़ बीस लाख की आबादी वाले द्वीप देश श्रीलंका आजादी के बाद से सबसे खराब मंदी की चपेट में है। यहां तक कि वहां सबसे आवश्यक वस्तुओं के आयात के लिए भुगतान के लिए भी विदेशी मुद्रा की किल्लत हो गई है। हालात इतने खराब हैं कि गुरुवार को बसों और वाणिज्यिक वाहनों के लिए मुख्य ईंधन डीजल पूरे देश में कहीं भी उपलब्ध नहीं था। अधिकारियों और मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, देश में सार्वजनिक परिवहन पंगु बन गया है। एक निवासी ने बताया कि मैं घर नहीं जा पा रहा हूं क्योंकि हमारे इलाके में बैरिकेड्स लगे हैं।

नृशंस हत्या : महुआ बीनने जंगल में गए तीन लोगों को पत्थरों से कुचलकर हत्या मृतकों में 10 साल की बच्ची शामिल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में जंगल में महुआ बीनने गए एक परिवार के तीन लोगों को अज्ञात लोगों ने पत्थरों से कुचलकर मार डाला। मृतकों में 10 साल की बच्ची, उसके पिता व दादी शामिल है।

पुलिस के अनुसार रायगढ़ के चालहा गांव की दुहनी बाई (65) अपने बेटे अमृत लाल (30) और नतिनी अमृता (10) के साथ तीन-चार दिन पहले महुआ बीनने के लिए धवाईडांड के जंगल में गए थे। तीनों महुए के एक पेड़ के नीचे झोपड़ी बनाकर रह रहे थे। गांव के लोगों ने तीनों के शव मौके पर पड़े देखे। इसके बाद गांव के चौकीदार ने पुलिस को सूचना दी।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर तीनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पतालभेजा। वरिष्ठ अधिकारियों ने मौके का जायजा लिया। पुलिस और खोजी श्वान की टीम ने घटनास्थल की पड़ताल की। हत्या क्यों की गई, इसका कारण अभी पता नहीं चला है। रायगढ़ के एसपी अभिषेक मीणा आरोपियों का पता लगाकर उन्हें जल्द गिरफ्तार करने का निर्देश दिया है।

हड़ताल पर वन विभाग के कर्मचारी, जंगल में लगी भीषण आग, बुझाने पहुंचे सरगुजा सीसीएफ और दो डीएफओ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में वन कर्मचारी 21 मार्च से हड़ताल पर हैं और जंगलों की सुरक्षा दांव पर लगी है। अफसर जल्द ही हड़ताल खत्म होने दावा कर रहे हैं, लेकिन वन कर्मचारी अब भी जिद पर अड़े हैं। ऐसे में जंगल और वन्य प्राणियों की सुरक्षा भगवान भरोसे है। भारतीय वन सर्वेक्षण की रिपोर्ट के आंकड़ों के अनुसार प्रदेश के 10 हजार 536 से अधिक जगहों पर आग लगी है। जंगलों में लगी आग से वन्य प्राणी झुलसने लगे हैं और जंगल से बाहर निकल रहे हैं। बुधवार की शाम छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले के भरतपुर के सोनवाही गांव में शेर घुस आया, जिससे ग्रामीणों में दहशत रही।

जंगलों में आग लगने का सीजन 15 फरवरी से 15 जून तक हर साल होता है। वन कर्मचारी वेतन, पेंशन, पदोन्नति और अन्य मुद्दों को लेकर हड़ताल पर हैं। उनके हड़ताल पर चले जाने से जंगलों में लगी आग तेजी से फैल रही है। आग बुझाने वाला भी कोई नहीं है। वन विभाग के उच्च अफसर लगातार जंगलों का दौरा भी कर रहे हैं। सरगुजा के मुख्य वन संरक्षक अनुराग श्रीवास्तव भी वन मंडलाधिकारियों के साथ वन क्षेत्र का दौरे पर निकले थे। रास्ते में जंगल में लगी आग को देखा तो वे खुद आग बुझाने में जुट गए।

टोल फ्री नंबर 18002337000 पर दें सूचना

आगजनी की घटनाओं की सूचना देने के लिए वन विभाग ने टोल फ्री नंबर जारी किया है। वन विभाग ने प्रधान मुख्य वन संरक्षक कार्यालय अरण्य भवन रायपुर में कंट्रोल रूम बनाया है। विभाग द्वारा जारी टोल फ्री नंबर 18002337000 पर कोई भी व्यक्ति आगजनी की सूचना दे सकता है। वहीं सभी वनमंडलों में भी वनों की सुरक्षा के लिए कंट्रोल रूम बनाए गए हैं, जहां से निगरानी की जा रही है। प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख राकेश चतुर्वेदी ने विभाग के अधिकारियों को वनों में आगजनी की घटना रोकने आवश्यक निर्देश दिए हैं।

आ सकती है कोरोना की चौथी लहर आईआईटी के वैज्ञानिक ने किया ये दावा

कानपुर (एजेंसी)। कोरोना वायरस का म्यूटेंट अगर बदलता है तो देश में चौथी लहर आने की संभावना हो सकती है। हालांकि यह लहर भी तीसरी लहर की तरह कम घातक और उससे भी कमजोर होने की संभावना है। यह दावा किया है आईआईटी कानपुर के वरिष्ठ वैज्ञानिक प्रो. मणींद्र अग्रवाल ने। उन्होंने कहा कि देश में 90 फीसदी लोगों में नेचुरल इम्युनिटी जनरेट हो चुकी है, जो इस संक्रमण से सुरक्षा करती है। कहा वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए कोरोना की चौथी लहर आने की संभावना बहुत कम है।

आईआईटी कानपुर के वरिष्ठ वैज्ञानिक प्रो. मणींद्र अग्रवाल अपने गणितीय मॉडल सूत्र के आधार पर कोरोना का सटीक आकलन करते रहे हैं। पहली, दूसरी व तीसरी लहर में उनके आकलन काफी हद तक सही साबित हुए। चौथी लहर को लेकर जहां पूरी दुनिया फिर दहशत में हैं, इसके बीच प्रो. अग्रवाल का जो दावा है, वह देश के लोगों के लिए राहत भरा है। उनके मुताबिक म्यूटेंट बदलने पर चौथी लहर आती है तो वह कम घातक होगी और जल्दी समाप्त हो जाएगी। वैक्सीन से जनरेट इम्युनिटी लड़ने की क्षमता विकसित कर रही है तो नेचुरल इम्युनिटी को वायरस बाईपास करने में बहुत हद तक सफल नहीं हो रहा है।

घोषणापत्र में सीएम भूपेश का ऐलान- जीत के बाद 24 घंटे में खैरागढ़ को बनाएंगे जिला, रमन बोले- 3 साल में एक भी निर्माण नहीं

श्रीकंचनपथ न्यूज

खैरागढ़। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले के खैरागढ़ विधानसभा उप चुनाव के लिए कांग्रेस ने घोषणा पत्र जारी किया है। घोषणा पत्र में खैरागढ़ विधानसभा क्षेत्र के 27 बिंदुओं को शामिल किया गया है। घोषणा पत्र को कांग्रेस के छत्तीसगढ़ प्रभारी पीएल पुनिया, सीएम भूपेश बघेल, पीसीसी चीफ मोहन मरकाम, गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू, नगरीय निकाय मंत्री शिव डहरिया, कृषि मंत्री रविंद्र चौबे और आबकारी मंत्री कवासी लखमा सहित कांग्रेस नेता ने जारी किया।

सीएम भूपेश बघेल ने सोशल मीडिया ट्वीटर पर भी इसे शेयर किया है। सीएम भूपेश बघेल ने कहा कि खैरागढ़ विधानसभा उप चुनाव के लिए कांग्रेस घोषणापत्र है। चुनाव जीतने के 24 घंटों के भीतर खैरागढ़-छुईखदान-गंडई को जिला बनाया जाएगा। वहीं साल्हेवारा को पूर्ण तहसील और जालाबांधा को उप-तहसील बनाया जाएगा। इसके अलावा खैरागढ़ में स्व. देवव्रत सिंह की आदमकद प्रतिमा लगाई जाएगी। एकमात्र संगीत महाविद्यालय को केंद्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा दिलाने पहल की बात घोषणा पत्र में की गई है। रायपुर में मीडिया से चर्चा करते हुए सीएम भूपेश ने डॉ. रमन के वीडियो पर भी कहा कि 15 साल में कभी जमीन पर उतरे नहीं। जब उतरे तो पान ठेले वाला ही पूछ रहा है कि बड़े दिनों बाद दिखे डॉक्टर साहब...।

पिछले तीन साल में खैरागढ़ को एक रुपये नहीं दिया

इधर कांग्रेस के घोषणा पत्र पर पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने निशाना साधा है। उन्होंने ट्वीटर पर लिखा कि कांग्रेस सरकार ने पिछले सवा तीन साल में खैरागढ़, छुईखदान, गंडई में एक रुपये का निर्माण नहीं कराया। अब शराबबंदी, बेरोजगारी भत्ता और बकाया बोनस देने की तरह ही 24 घंटे में जिला बना देंगे? देवव्रत सिंह जब कांग्रेस में थे तब प्रताड़ित किया, अब उनकी प्रतिमा बनाने की बात कर रहे हैं।

संपादकीय

युद्ध के समय भारत

भारत इन दिनों जितने दबाव में है, उतनी ही मांग में भी है। दुनिया के अनेक आला देशों के आला अधिकारियों व नेताओं ने भारत की ओर रुख कर रखा है। विशेष रूप से जब से रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध की शुरुआत हुई है, तब से भारत में किसी न किसी विदेश मंत्री या विदेश सेवा के अधिकारी की मौजूदगी देखी जा रही है। भारत की तटस्थ स्थिति ने दुनिया की महाशक्तियों को बेचैन कर रखा है। संयुक्त राष्ट्र में भारत ने यूक्रेन का पक्ष तो लिया है, लेकिन वह रूस के खिलाफ भी नहीं गया है। ऐसे में, यह धारणा फैल गई है कि भारत को जिस तरह से नाटो का साथ देना चाहिए, वह नहीं दे रहा है। अत: भारत न केवल अमेरिका की ओर से, बल्कि यूरोपीय देशों की ओर से भी दबाव में है। अमेरिका, रूस, चीन, मैक्सिको, नीदरलैंड, ब्रिटेन इत्यादि देशों के कूटनीतिज्ञ भारत पर लगातार नजर रखे हुए हैं और अपनी-अपनी ओर इसे खींचने की कोशिश कर रहे हैं।

> यह युद्ध के चलते पीड़ित हो रहे देशों और उनके लोगों के प्रति संवेदना का समय है। युद्ध की निंदा और यूक्रेन की मदद में कोई कोर कसर न रहे, तो दुनिया भारत के पक्ष को समझेगी। किसी भी स्थिति में भारत को युद्ध में कूदने से बचना चाहिए। युद्ध विरोध की भावना और मानवता का दामन थामे हुए यह भी ध्यान रखना चाहिए कि दुनिया में भारत प्रेमियों की तादाद बढ़े, भारत विरोधियों की नहीं।

यह महज संयोग नहीं है कि जब रूस के विदेश मंत्री सर्गेस लावरोव भारत यात्रा पर हैं, तब अमेरिका के उप-राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार दलीप सिंह भी भारत में मौजूद हैं। रूस भारत से मदद चाहता है, तो अमेरिका भी चाहता है। अमेरिका कभी नहीं चाहेगा कि भारत किसी भी तरह से रूस की मदद करे, और रूस की भी कोशिश है कि वह भारत को युद्ध में नाटो के साथ खड़ा होने से रोके। दुर्दिन में भी भारत ने रूस से तेल खरीदने की मंजूरी देकर पिछले दिनों जो धमाका किया था, उसकी गूंज दुनिया में अभी भी है। अमेरिका, नाटो और यूरोपीय देशों ने यही समझा कि भारत पिछले दरवाजे से रूस की मदद करते रहना चाहता है, क्योंकि रूस उसका पुराना साथी है। सबसे बड़ी बात यह कि चीन अब रूस के साथ लगभग शाब्दिक रूप से खुलकर खड़ा हो गया है। ध्यान रहे, रूसी विदेश मंत्री चीन से होते हुए ही भारत आए थे। चीनी विदेश मंत्री भी हाल ही में भारत आए थे और भारत को अपने ढंग से मनाने की कोशिश भी की थी, लेकिन इस आपाधापी में चीन बिना किसी समझौते या रियायत के भारत के साथ व्यवसाय करते रहना चाहता है। इस मामले में रूस और अमेरिका कुछ अलग हैं, दोनों देशों के पास भारत को रिझाने के लिए कुछ न कुछ है। तेल, तकनीक, आईटी, शिक्षा, व्यापार, पर्यटन और सांस्कृतिक लिहाज से भी अमेरिका अब भारत के ज्यादा करीब है। कभी रूस के प्रति भी भारत में बहुत लगाव था, लेकिन व्लादिमीर पुतिन के समय रूस ज्यादातर मौकों पर चीन के साथ खड़ा दिखा है और भारत से कुछ दूरी भी बनी है।

जाहिर सी बात है कि हमारे विदेश मंत्री एस जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल इस वक्त देश के व्यस्ततम लोगों में शुमार हैं। कहने की जरूरत नहीं है कि आज तेजी से बदलती विश्व व्यवस्था में अपना देश निर्णायक मोड़ पर है। बहुत सोच-समझकर कदम आगे बढ़ाना चाहिए। किसी भी विदेशी नेता या अधिकारी के दबाव में न आते हुए, अपने देश के हित को सबसे ऊपर रखना है। यह युद्ध के चलते पीड़ित हो रहे देशों और उनके लोगों के प्रति संवेदना का समय है। युद्ध की निंदा और यूक्रेन की मदद में कोई कोर कसर न रहे, तो दुनिया भारत के पक्ष को समझेगी। किसी भी स्थिति में भारत को युद्ध में कूदने से बचना चाहिए। युद्ध विरोध की भावना और मानवता का दामन थामे हुए यह भी ध्यान रखना चाहिए कि दुनिया में भारत प्रेमियों की तादाद बढ़े, भारत विरोधियों की नहीं।

अब अपराध छिपाना मुश्किल

भारत सरकार अपराधियों की पहचान के लिए एक नया कानून बनाना चाहती है। उसने संसद में जो विधेयक पेश किया है, उसके तहत अब पुलिस उन सभी लोगों की पहचान के नए तरीके अपनाएगी, जो या तो गिरफ्तार हुए हैं या जिन्हें सजा हुई है या जो नजरबंद किए गए हैं। ऐसे लोगों की पहचान का पुराना सिलसिला 1920 में बने कानून के तहत अभी तक चल रहा है। 100 साल पुराने इस कानून के मुताबिक उक्त श्रेणियों के लोगों की उंगलियों, हथेलियों और पगथलियों के छापे ले लिये जाते हैं लेकिन अब इस नए कानून के मुताबिक उक्त तीनों के अलावा उनके फोटो, आंख की पुतलियों के चित्र, शारीरिक और जैविक तत्वों, उनके हस्ताक्षर आदि के पहचान-प्रमाण भी पुलिस अपने पास संभालकर रखेगी। ये प्रमाण 75 वर्ष तक रखे जाएंगे। इस विधेयक के संसद में पेश होते ही विपक्षी सांसदों ने इस पर हमला बोल दिया है।

उनका कहना है कि इस तरह के पहचान-प्रमाण इकट्ठे करना मानव अधिकारों का हनन है। यह लोगों की गोपनीयता का सरासर उल्लंघन है। ऐसे लोगों की भी गोपनीयता इस कानून से भंग होती रहेगी, जिन्हें फर्जी आरोपों में गिरफ्तार और नजरबंद कर लिया गया होगा। पुलिस तो उन सरकार-विरोधी प्रदर्शनकारियों को पकड़कर उनके सारी निजी और गोपनीय जानकारियां भी इकट्ठी कर लेगी, जिनका अपराध से दूर-दूर का भी कोई संबंध नहीं है। विपक्षी सदस्यों का आरोप था कि यह विधेयक न केवल भारतीय संविधान बल्कि संयुक्तराष्ट्र संघ घोषणा-पत्र का भी उल्लंघन करता है। उन्हें यह इतना आपत्तिजनक लगा कि यह विधेयक पेश किया जाए या नहीं, इस मुद्दे पर भी मतदान करवाना पड़ गया। विधेयक पेश तो हो गया है, लेकिन मेरी समझ में यह नहीं आ रहा है कि हमारे नेता लोग अपनी गोपनीयता को इतना ज्यादा महत्व क्यों देते हैं?उनका जीवन और नागरिकों का जीवन खुली किताब की तरह क्यों नहीं होना चाहिए? आप कोई बात या काम छिपाना चाहते हैं, इसका मतलब क्या यह नहीं हुआ कि आप कोई न कोई गलत काम कर रहे हैं?

-वेद प्रताप वैदिक

> **भारत ने हाल ही में दवाओं, ईंधन और भोजन के लिए श्रीलंका को एक अरब डॉलर का कर्ज दिया है। इस सप्ताह भारत से और एक अरब डॉलर अतिरिक्त ऋण की मांग की गई है। दो साल तक विरोध के बाद राष्ट्रपति ने इस महीने पुष्टि की है कि वह वित्तीय सहायता के लिए अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से संपर्क करेंगे। हालांकि, इनमें से कोई भी त्वरित समाधान नहीं है, जिसकी श्रीलंका को अभी सख्त जरूरत है।**

श्रीलंका में संकट की लंबी कतारें

संदन जयवर्द्धना, श्रीलंका के वरिष्ठ पत्रकार

उधर सूरज ढल रहा है और इधर अपनी लॉरी में बैठे दयारत्ने अपना गुस्सा छिपा नहीं पा रहे हैं। वह सुबह से ही कोलंबो के बाहरी इलाके कडुवेला के एक पेट्रोल-डीजल पंप पर लंबी कतार में लगे हैं। यहां अब आम लोग बोलने लगे हैं कि इस सरकार को परवाह नहीं है और देश गलत हाथों में चला गया है। दयारत्ने देश की राजधानी से 350 किलोमीटर दूर पहाड़ी गांव बादुल्ला से हैं। वह एक स्थानीय कंपनी के लिए आपूर्ति का काम करते हैं। उनके तीन स्कूली बच्चे हैं। दयारत्ने जो कुछ कमाते हैं, उसका अधिकांश हिस्सा बच्चों की पढ़ाई में चला जाता है। वह कहते हैं, 'मैंने एक साथ 5,000 रुपये निकाले हैं और आज ही अपने परिवार को भेज दिए हैं, ताकि अगले कुछ दिनों तक परिवार संकट का सामना न कर सके। मैं तब तक काम नहीं कर सकता, जब तक मुझे डीजल नहीं मिल जाता। मैंने पहले ही परिवार वालों से कह दिया है कि वे किसी तरह चावल और नारियल के सांबोल से काम चलाएं, क्योंकि हम और अधिक खर्च नहीं कर सकते।'

यहां ऑटोरिक्शा चालकों का समूह भी सरकार की निंदा कर रहा है। किराया बढ़ गया है, तो सवारियां मिल नहीं रही हैं। आर्थिक आपदा के चलते लोग गंभीर संकट में हैं। पेट्रोल की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण किराया बढ़ाना पड़ा है, जिससे काम आधा ही रह गया है। लोग पैसे बचाने के लिए कम दूरी की यात्राएं पैदल ही तय करने लगे हैं। युवा सवालों से भरे हुए हैं कि राष्ट्रपति भला क्या कर रहे हैं? लोग राष्ट्रपति की शिकायत कर रहे हैं कि उन्होंने अपने वादों के बावजूद भ्रष्टाचार पर लगाम नहीं लगाई है।

श्रीलंकाई लोगों का जीवन गंभीर आर्थिक उथल-पुथल से प्रभावित हो रहा है। भारी कर्ज, खराब नीति नियोजन, कोविड-19 महामारी और हाल ही में यूक्रेन में युद्ध के संयोजन केकारण देश में एक गंभीर विदेशी मुद्रा संकट पैदा हो गया है। चीजों के दाम आसमान छू रहे हैं। डीजल, मिट्टी के तेल, रसोई गैस, खाद्य पदार्थों और यहां तक कि दवाओं की भी भारी कमी हो गई है।

पिछले कुछ हफ्तों में संकट चरम पर पहुंच गया है। बिजली उत्पादन हाइड्रो, थर्मल और कोयला क्षमता पर निर्भर करता है। चूंकि यह शुष्क मौसम है, जलाशयों में जल स्तर तेजी से घट रहा है और पानी खेती के लिए संरक्षित किया जा रहा है, जिससे डीजल से चलने वाले संयंत्रों पर भारी निर्भरता हो गई है। ईंधन खरीदने के लिए अमेरिकी डॉलर नहीं है, तो फरवरी महीने से जारी कुछ घंटों की बिजली कटौती 31 मार्च से 13 घंटे की कर दी गई है।

ईंधन और गैस सिलेंडर की दुकानों पर मीलों लंबी कतारें रोजमर्रा की बात हो गई हैं। गुस्सा उबल रहा है और छोटी-छोटी बातों पर भी लड़ाई छिड़ जा रही है। हाल ही में कतार तोड़ने वाले एक 29 साल के मोटरसाइकिल चालक की हत्या चाकू मारकर कर दी गई। बुजुर्गों के लिए तनाव विशेष रूप से घातक है, मार्च में चार की गिरकर मौत हुई है। सरकार की प्रतिक्रिया क्या है? व्यवस्था बनाए रखने के लिए कई जगहों पर सशस्त्र सैनिकों को तैनात किया गया है।

कर्मचारियों के पास काम पर जाने के लिए ईंधन नहीं है और घर से काम करने के लिए बिजली नहीं है। डीजल की कमी केचलते लंबी दूरी की कई बसों ने परिचालन बंद कर दिया है। विरोध प्रदर्शन अब स्वत:स्फूर्त हो रहे हैं। विपक्षी दलों ने राष्ट्रपति राजपक्षे 'घर जाओ' का आह्वान करते हुए बड़े पैमाने पर रैलियां की हैं। सोशल मीडिया पर 'गोटा गो बैक' और 'गो होम राजपक्षे' जैसे हैशटैग ट्रेंड कर रहे हैं। अगले कुछ दिनों में बड़ी विरोध सभा की उम्मीद है।

श्रीलंका की चुनौतियां बहुत बड़ी हैं। अकेले इस वर्ष देश का विदेशी ऋण दायित्व 6.69 अरब डॉलर है। इसमें से एक अरब जुलाई में लौटाना है। इधर पर्यटकों का आना भी बहुत कम हो गया है। विदेश काम करने जाने वालों की संख्या सबसे कम हो गई है। राजपक्षे प्रशासन ने विनाशकारी नीतिगत फैसलों से स्थिति को और खराब कर दिया है। नवंबर 2019 में राष्ट्रपति राजपक्षे की जीत के बाद शुरू की गई व्यापक कर कटौती ने खजाने को तहस-नहस कर दिया है।

मई 2021 में श्रीलंका ने कृषि-रसायनों पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया था, यह कदम श्रीलंका को 100 प्रतिशत जैविक कृषि वाला दुनिया का पहला देश बनाने के लिए उठाया गया था। यह कृषि के लिए घातक रहा और सरकार अंतत: पीछे हट गई, लेकिन अब उपज बहुत कम हो गई। कई किसानों ने खेती छोड़ दी है। कृषि रसायन बाजार में लौट आए हैं, पर अब वे बिना सब्सिडी बहुत महंगे हैं। मुद्रा की खूब छपाई हो रही है, जिससे महंगाई और बढ़ रही है। 30 मार्च को अमेरिकी डॉलर 299 श्रीलंकाई रुपये में बिक रहा था।

प्रशासन की अपनी आंतरिक समस्याएं भी खूब हैं। राष्ट्रपति राजपक्षे ने हाल ही में अपने भाई, वित्त मंत्री बासिल राजपक्षे की सार्वजनिक रूप से आलोचना करने के चलते दो मंत्रियों को बर्खास्त कर दिया। जिन मंत्रियों को हटाया गया है, वह सरकार को उखाड़ फेंकने की कसमें खा रहे हैं।

कई महीनों से आव्रजन विभाग के बाहर लंबी कतारें लग रही हैं। लोगों को विदेश जाने के लिए पासपोर्ट चाहिए। अधिक हताश लोग अन्य मार्गों से भागने की कोशिश कर रहे हैं। 22 मार्च को 16 पुरुष, महिलाएं और बच्चे एक नाव से तमिलनाडु पहुंचे हैं। लोग भुखमरी से भाग रहे हैं। उन्हें इससे बुरा समय याद नहीं है। लोग रोज जो कमाते हैं, उसका लगभग तीन-चौथाई भोजन पर खर्च हो जाता है।

सरकार की अब तक की रणनीति बांग्लादेश, भारत और चीन से अल्पकालिक द्विपक्षीय ऋण लेने की रही है। भारत ने हाल ही में दवाओं, ईंधन और भोजन के लिए श्रीलंका को एक अरब डॉलर का कर्ज दिया है। इस सप्ताह भारत से और एक अरब डॉलर अतिरिक्त ऋण की मांग की गई है। दो साल तक विरोध के बाद राष्ट्रपति ने इस महीने पुष्टि की है कि वह वित्तीय सहायता के लिए अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से संपर्क करेंगे। हालांकि, इनमें से कोई भी त्वरित समाधान नहीं है, जिसकी श्रीलंका को अभी सख्त जरूरत है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

जिन उपायों से हम परीक्षाओं में गड़बड़ी रोक सकते हैं

देव स्वरूप, कुलपति व शिक्षा विशेषज्ञ

परीक्षा बहुत ही संवेदनशील मसला है। यह एक ऐसे वर्ग से नत्थी है, जो बहुत ही लगनशील है, जिसकी अपनी अपेक्षाएं होती हैं और जिसकी यह परिकल्पना है कि निष्पक्ष परीक्षा से उसकी मेहनत साकार होगी। मगर हालिया घटनाएं परीक्षार्थियों के इस भरोसे को तोड़ रही हैं। उत्तर प्रदेश ही नहीं, राजस्थान, मध्य प्रदेश जैसे तमाम राज्यों में वक्त-वक्त पर अनियमितताओं के कारण परीक्षाएं रद्द करनी पड़ी हैं।

जाहिर है, हमारी शिक्षा व्यवस्था के सामने दो विषय हैं। पहला, समय पर परीक्षा आयोजित करना। और दूसरा, परीक्षाओं में अनियमितताओं को रोकना। परीक्षाओं में पेपर लीक, नकल, कदाचार आदि इसलिए होते हैं, क्योंकि परीक्षा संचालन में कुछ ऐसे लोग भी शामिल होते हैं, जिनके लिए निजी हित सर्वोपरि हैं। इसी कारण, न सिर्फ परीक्षाएं टालनी पड़ती हैं, बल्कि इनसे छात्रों का जो विश्वास जुड़ा होता है, वह टूटता है। इसलिए यह देखने की जरूरत है कि परीक्षा संचालन से जो लोग जुड़े हों, उनका चरित्र बेदाग हो। बेशक, साफ-सुथरी छवि वाले लोग भी कदाचार में लिप्त हो सकते हैं, लेकिन अभी हम परीक्षकों की निष्ठा या ईमानदारी नहीं खंगालते। यही वजह है कि लोक सेवा आयोग से लेकर राज्य बोर्ड तक की तमाम परीक्षाओं में पेपर लीक या हेराफेरी की घटनाएं घट चुकी हैं।

ले-देकर नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ही फिलहाल विश्वास के लायक है। इस पर इसलिए कोई दाग नहीं है, क्योंकि यह तकनीक पर बहुत ज्यादा भरोसा करती है। नतीजतन, इंसानी फितरत से परीक्षाएं प्रभावित नहीं हो पातीं और परीक्षाएं काफी हद तक पारदर्शी बनी रहती हैं। ऐसी ही कोशिश हमें दूसरी परीक्षाओं में भी करनी चाहिए। जैसे, अभी प्रश्न-पत्र बंद लिफाफे में परीक्षा केंद्रों तक भेजे जाते हैं। इसकी कतई जरूरत नहीं है। अगर सेफ्टी कोड के साथ परीक्षा शुरू होने से चंद मिनट पहले हम ऑनलाइन प्रश्न-पत्र भेज सकें, तो प्रश्न-पत्र पहुंचाने के दौरान की जाने वाली गड़बड़ियों को दूर कर सकते हैं। हालांकि, इसके लिए जरूरी यह भी है कि परीक्षा केंद्रों पर इंटरनेट की पर्याप्त उपलब्धता हो। यानी, तकनीक का लाभ हम तभी उठा सकेंगे, जब हमारी व्यवस्था तकनीक के इस्तेमाल के लायक हो। हां, यह सही है कि इसे भी चाक-चौबंद व्यवस्था नहीं मान सकते, क्योंकि तकनीक भी कोई इंसान चलाएगा, लेकिन इसमें कई ऐसे फीचर होते हैं, जो बता सकते हैं कि किस स्तर पर किसने गड़बड़ी की है।

परीक्षा से पहले की तैयारी ही नहीं, परीक्षा के दौरान उसके बेहतर संचालन की व्यवस्था और गड़बड़ी-मुक्त परिणाम जारी करने की जिम्मेदारी भी कदाचारमुक्त परीक्षा का सपना साकार करती हैं। यहां डॉ भीमराव आंबेडकर विधि विश्वविद्यालय (जयपुर) का उदाहरण दे सकते हैं। इस विश्वविद्यालय में 'ऑन स्क्रीन इवोल्यूशन' (ऑनलाइन जांच) की शुरुआत की गई है, यानी उत्तर पुस्तिका जांचने वालों को 'आंसर की' (उत्तर) पारंपरिक रूप से नहीं, बल्कि ऑनलाइन भेजे गए। इससे परिवहन आदि में लगने वाला खर्च बच गया। दूसरी संस्थाएं चाहें, तो इससे सबक ले सकती हैं।

उल्लेखनीय है कि जिस परीक्षा में लाखों बच्चे शामिल हों, उसके आयोजन में करोड़ों रुपये खर्च करने पड़ते है। मगर पेपर लीक, नकल जैसे कदाचार से पूरी प्रक्रिया ध्वस्त हो जाती है और पूरा का पूरा संसाधन बर्बाद हो जाता है। इससे न केवल परीक्षा की पवित्रता खंडित होती है, बल्कि परीक्षार्थियों की मानसिकता पर भी दुष्प्रभाव पड़ता है। चूंकि अलग-अलग पृष्ठभूमि के परीक्षार्थी परीक्षाओं में शामिल होते हैं, इसलिए यदि उनमें यह धारणा बन जाए कि ले-देकर परीक्षा पास कर सकते हैं, तो कोई भी संस्था कितनी भी निष्पक्ष परीक्षा क्यों न करा ले, उस पर संदेह बना रहेगा। इसलिए संस्थाओं की छवि को बचाने के लिए भी कदाचारमुक्त परीक्षा जरूरी है। हमें यह समझना होगा कि जो प्रश्न पत्र तैयार करता है, वह उसे लीक नहीं करता। यह काम तो तब किया जाता है, जब परीक्षा केंद्रों के लिए प्रश्न पत्रों को रवाना किया जाता है। इसलिए इस मोर्चे पर ज्यादा काम करने की जरूरत है।

कदाचार में लिप्त लोगों को मिलने वाली मामूली सजा भी इस पूरे मामले का एक शोचनीय पक्ष है। यह याद नहीं आता कि परीक्षा में हेराफेरी करने वाले किसी दोषी को नजीर के लायक सजा मिली हो। इसका असर परीक्षार्थियों की क्षमता पर पड़ता है। इसलिए, कानूनी विधान को सख्त बनाना ही होगा। एकाध राज्य सरकारें इस दिशा में काम कर रही हैं। लेकिन अभी भी उनमें संजीदगी की दरकार है। सरकारों को यह पता होना चाहिए कि परीक्षाओं के रद्द होने से परीक्षार्थियों के हितों को जो गहरी चोट पहुंचती है, उसकी भरपाई कोई नहीं कर सकता।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

श्रीमती अंजली जैन की कलम से...

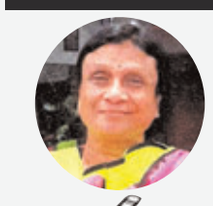

स्वभाव प्राकृतिक है, अध्ययन है, ग्रंथ है, इंसान का इंसान से सांसों का संबंध है।

-अंजली जैन
7024460938

उदात्त मूल्य कट्टर नहीं होते

अजीत द्विवेदी

आम आदमी पार्टी के सुप्रीमो और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने 29 मार्च को एक ट्विट किया, जिसमें उन्होंने लिखा, 'आम आदमी पार्टी की विचारधारा के तीन स्तंभ हैं- एक, कट्टर देशप्रेम। दो, कट्टर ईमानदारी और तीन, इंसानियत'। इसके आगे उन्होंने लिखा, 'दिल दिया है, जां भी देंगे ए वतन तेरे लिए'। अरविंद केजरीवाल की जगह यह ट्विट किसी और ने किया होता तो उस पर विचार की जरूरत नहीं होती। लेकिन चूंकि खुद केजरीवाल ने यह ट्विट किया है और 'देशप्रेम, ईमानदारी और इंसानियत' को अपनी पार्टी की विचारधारा बताया है इसलिए जरूरी है कि इस पर गंभीरता और बारीकी से विचार किया जाए। इस ट्विट के जरिए उन्होंने उन लोगों को भी जवाब देने का प्रयास किया है, जो उनकी पार्टी को विचारधारा से परे या 'उत्तर विचारधारा' की पार्टी मानते रहे हैं।

इस पर विचार की शुरुआत में सबसे पहले यह बताना जरूरी है कि 'देशप्रेम, ईमानदारी और इंसानियत' कोई विचारधारा नहीं हैं। ये मानवीय मूल्य हैं, जो सहज रूप से हर व्यक्ति में होना चाहिए और होता भी है। विचारधारा और मानवीय मूल्यों में जमीन आसमान का फर्क होता है। विचारधारा ऐसी चीज नहीं होती है, जो हर व्यक्ति में एक जैसी हो या हर व्यक्ति एक विचारधारा से निर्देशित हो। परंतु मानवीय मूल्य ऐसी चीज है, जो हर व्यक्ति में समान रूप से हो सकती है। इस बात को ऐसे भी कह सकते हैं कि मानवीय मूल्य ही किसी को इंसान बनाते हैं। जिस तरह से दया, प्रेम, अहिंसा आदि उदात्त मानवीय मूल्य हैं उसी तरह से देशप्रेम, ईमानदारी और इंसानियत भी उदात्त मानवीय मूल्यों की श्रेणी में आते हैं और इनके होने से ही इंसान की पहचान होती है। हर इंसान में ये मूल्य होने चाहिए चाहे वह किसी भी विचारधारा को मानने वाला है। तभी कोई यह नहीं कह सकता है कि समाजवादी या साम्यवादी विचार को मानने वाला व्यक्ति ईमानदारी, देशप्रेम या इंसानियत के मूल्यों से भरा नहीं होता है। या पूंजीवादी, उदार या मिश्रित समाजवाद की विचारधारा को मानने वाला व्यक्ति ईमानदार, देशप्रेमी या इंसानियत वाला नहीं हो सकता है। आप चाहे किसी भी विचारधारा को मानते हों, आप ईमानदार, देशप्रेमी और इंसानियत से भरे हो सकते हैं।

पार्टियां या नेता चाहे जिस भी विचारधारा को मानने वाले हों उनसे उम्मीद की जाती है कि उनके अंदर देशप्रेम होगा, वे ईमानदार होंगे और उनमें इंसानियत का भाव होगा।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे
9827806026, 7869620239

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

संप्रेक्षण गृह की नई बिल्डिंग में होगा सुविधाओं का विस्तार

दुर्ग। संप्रेक्षण गृह की नई बिल्डिंग में सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा। यहां सुरक्षा भी मजबूत रखी जाएगी। बाऊंड्रीवाल ऊंची कराई जाएगी, कैंपस में हर तरफ सीसीटीवी कैमरे होंगे। जगमग रौशनी से पूरा कैंपस रोशन होगा। शुद्ध पेयजल आदि सभी जरूरतें मुहैया कराई जाएंगी। यह निर्णय आज एडीएम श्रीमती नूपुर राशि पन्ना की अध्यक्षता में जिला बाल संरक्षण समिति की बैठक में लिया गया। बैठक में संप्रेक्षण गृह में मेडिकल टीम की पुनरावृत्ति बढ़ाने का निर्णय लिया गया। इसके अलावा बच्चों के रचनात्मक विकास के लिए मनोवैज्ञानिक काउंसलर की सेवाएं लेने पर चर्चा हुई। संप्रेक्षण गृह में बच्चों की पढ़ाई के लिए विशेष रूप से रणनीति बनाई गई। यहां पर निर्णय लिया गया कि जो शिक्षक वालंटियर के रूप में अतिरिक्त समय देना चाहते हों, उन्हें इन बच्चों की विशेष पढ़ाई के लिए लगाया जाए। बैठक में बच्चों के पलायन पर विशेष रूप से नजर रखने निर्देश दिये गये। गांवों में पलायन की सूची पर विशेष नजर रखने के निर्देश दिये गये। एडीएम ने कहा कि रैंडम तरीके से गांवों की पलायन सूची देखें। इसके साथ ही उन्होंने इंडस्ट्रियल एरिया पर भी विशेष नजर रखने के निर्देश दिये। एडीएम ने कहा कि रसमड़ा जैसे इंडस्ट्रियल एरिया में रैंडम तरीके से जांच की जाए ताकि चाइल्ड लेबर जैसी परिस्थितियां जिले में बिल्कुल न बनें। उन्होंने कहा कि बच्चों से भिक्षावृत्ति जैसी चीजों पर विशेष रूप से नजर रखनी है। इसके लिए चाइल्ड लाइन की टीम प्रोएक्टिव होकर काम करें। उन्होंने कहा कि कैंपस के भीतर बच्चों की प्रतिभा निखारने के लिए रचनात्मक गतिविधियों का होना बेहद आवश्यक है। इससे बच्चों की ऊर्जा सकारात्मक दिशा में लगेगी।

छत्तीसगढ़ में हो रहे कार्यों को नीति आयोग की टीम ने सराहा

गोधन न्याय योजना के लिए दी बधाई, कहा-छत्तीसगढ़ यह योजना शुरू करने वाला देश का पहला राज्य

'कृषि और संबंद्ध क्षेत्रों में छत्तीसगढ़ में हो रहे काम अनुकरणीय, छत्तीसगढ़ देश में सबसे अच्छे शिक्षक-छात्र अनुपात वाले राज्यों में'

'इज ऑफ डुइंग बिजनेस' में देश में छटवें और एक्पोर्ट प्रिपेयर्डनेस इंडेक्स में चौथे स्थान पर'

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नीति आयोग की टीम ने छत्तीसगढ़ में हो रहे अभिनव कार्यों की सराहना की है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, राज्य योजना आयोग, मुख्य सचिव और राज्य शासन के वरिष्ठ अधिकारियों से प्रदेश से जुड़े विषयों पर चर्चा के लिए रायपुर पहुंची नीति आयोग की टीम ने आज मुख्यमंत्री के निवास कार्यालय में आयोजित बैठक में छत्तीसगढ़ सरकार की विभिन्न योजनाओं की तारीफ की। नई दिल्ली वीडियो कॉन्फ्रेंस से जुड़े भारत सरकार के दस मंत्रालयों के सचिव भी शामिल हुए।

छत्तीसगढ़ आए नीति आयोग की टीम में आयोग के सदस्य डॉ. वी.के. पॉल, आयोग के वरिष्ठ सलाहकार, विषय विशेषज्ञ एवं अधिकारी शामिल हैं। योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी मंत्री अमरजीत भगत, राज्य योजना आयोग के उपाध्यक्ष अजय सिंह और मुख्य सचिव अमिताभ जैन भी बैठक में शामिल हुए। नीति आयोग के सदस्य डॉ. वी.के. पॉल ने बैठक में राज्य शासन द्वारा उठाए गए मुद्दों को भारत सरकार के संबंधित मंत्रालयों के साथ चर्चा कर आगे बढ़ाने का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के साथ बैठक में नीति आयोग की टीम ने गोधन न्याय योजना के लिए राज्य सरकार को बधाई दी। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ इस तरह की योजना शुरू करने वाला देश का पहला राज्य है। किसानों, पशुपालकों और ग्रामीणों के साथ ही यह स्वसहायता समूहों को भी सशक्त कर रहा है। नीति आयोग की वरिष्ठ कृषि सलाहकार डॉ. नीलम पटेल ने कहा कि कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में राज्य में कई अनुकरणीय काम हो रहे हैं। इस मामले में यहां से बहुत कुछ सीखा जा सकता है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में वर्ष 2018-19 की तुलना में 2019-20 में सरसो के उत्पादन में 22 प्रतिशत और सोयाबीन के उत्पादन में 14 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। कृषि के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ अच्छी तरक्की कर रहा है। डॉ. पटेल ने कहा कि मछलीपालन में भी यहां उल्लेखनीय काम हो रहा है। प्रदेश में मछली बीज की आपूर्ति के साथ ही देश के पांच अन्य राज्यों में भी इसे भेजा जा रहा है। मछली बीज उत्पादन में छत्तीसगढ़ दूसरे राज्यों की भी मदद और मार्गदर्शन कर सकता है।

नीति आयोग के वरिष्ठ सलाहकार नीरज सिन्हा ने कहा कि छत्तीसगढ़ में खनिज उत्खनन में भी अच्छा काम हो रहा है। यहां के स्कूलों में शिक्षक-छात्र अनुपात देश के सबसे बेहतर राज्यों में से है। उन्होंने बताया कि 'इज ऑफडुइंग बिजनेस ' के मामले में छत्तीसगढ़ देश में छटवें और एक्पोर्ट प्रिपेयर्डनेस इंडेक्स में चौथे स्थान पर है। नीति आयोग द्वारा आकांक्षी जिलों में शामिल यहां के दस जिले विकास योजनाओं और जन कल्याणकारी कार्यक्रमों के क्रियान्यवन में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने नीति आयोग की टीम और भारत सरकार के सचिवों के साथ बैठक में राज्य को धान से एथेनॉल उत्पादन की अनुमति दिलाने में मदद करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि चावल की तुलना में धान से एथेनॉल का उत्पादन सस्ता है। इसमें परिवहन और मिलिंग की समस्या नहीं आएगी। एथेनॉल उत्पादन के लिए राज्य में 27 एमओयू किए जा चुके हैं। हमें केवल भारत सरकार से अनुमति की जरूरत है।

मुख्यमंत्री ने भारत सरकार द्वारा राज्यों को जीएसटी क्षतिपूर्ति की राशि अगले 10 वर्षों तक जारी रखने कहा। जीएसटी लागू होने के बाद उत्पादक राज्य होने के कारण छत्तीसगढ़ को राजस्व की काफी हानि हो रही है। केंद्र सरकार द्वारा जीएसटी क्षतिपूर्ति बंद किए जाने से राज्य को सालाना पांच हजार करोड़ रूपए राजस्व की हानि होगी। श्री बघेल ने बैठक में रायपुर के स्वामी विवेकानंद विमानतल पर अंतर्राष्ट्रीय कार्गो सेवा शुरू करने के लिए जरूरी पहल करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश के उत्पादों के विदेशों में निर्यात की बड़ी संभावना है। लेकिन कार्गो सेवा नहीं होने के कारण इसमें बाधा आ रही है। उन्होंने बताया कि पूरे देश के वनोपज का 75 प्रतिशत अकेले छत्तीसगढ़ खरीद रहा है। मुख्यमंत्री ने रासायनिक उर्वरकों के उत्पादन की तरह वर्मी कंपोस्ट के उत्पादन पर भी केंद्र सरकार द्वारा सब्सिडी दिए जाने का आग्रह किया। प्रदेश में बड़ी मात्रा में वर्मी कंपोस्ट का उत्पादन और उपयोग हो रहा है।

राज्यपाल सुश्री उइके ने राजभवन सचिवालय में पदस्थ शासकीय सेवकों को सेवानिवृत्ति होने पर किया सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके ने राजभवन सचिवालय में पदस्थ चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनीति मंगरूलकर तथा वाहन चालक श्री राजीव लोचन के अधिवार्षिकी आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त होने पर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी। राज्यपाल सुश्री उइके ने उनके स्वस्थ व दीर्घायु जीवन की कामना की। उन्होंने शाल, श्रीफल व स्मृति चिन्ह प्रदाय कर डॉ. मंगरूलकर व राजीव लोचन को सम्मानित किया। राज्यपाल सुश्री उइके ने कहा कि चिकित्सक कभी सेवानिवृत्त नहीं होते वे तो जीवन भर अपनी सेवाएं देते हैं। उन्होंने कहा कि आप दोनों सेवानिवृत्ति के पश्चात अपनी रूचि का कार्य करें और खुशहाल जीवन व्यतीत करें।

राजभवन सचिवालय में पदस्थ चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनीति मंगरूलकर तथा वाहन चालक श्री राजीव लोचन अधिवार्षिकी आयु पूर्ण कर आज सेवा निवृत्त हुए। सचिवालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने डॉ. सुनीति मंगरूलकर तथा वाहन चालक श्री राजीव लोचन को सम्मानित कर उन्हें भावभीनी विदाई दी। इस अवसर पर डॉ. मंगरूलकर व श्री राजीव लोचन का संक्षिप्त जीवन परिचय तथा शासकीय सेवाकाल के संबंध में जानकारी दी गई। सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए विधिक सलाहकार राधाकृष्ण अग्रवाल, उप सचिव दीपक अग्रवाल, नियंत्रक हरवंश मिरी, निज सहायक जितेन्द्र कुमार सोलंकी ने स्वस्थ व दीर्घायु जीवन के लिए डॉ. मंगरूलकर व श्री राजीव लोचन को शुभकामनाएं दी। सचिवालय की परंपरा के अनुरूप उन्हें शाल एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। डॉ. मंगरूलकर एवं राजीव लोचन ने अपने शासकीय सेवा व राजभवन में बिताए दिनों को याद किया। डॉ. रूपल पुरोहित, डॉ. शिशिर साहू सहित राजभवन सचिवालय के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री द्वारा किसानों, पशुपालकों, भूमिहीन कृषि मजदूरों, महिला समूहों और तेंदूपत्ता संग्राहक परिवारों को 1124 करोड़ 92 लाख रूपए की राशि जारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

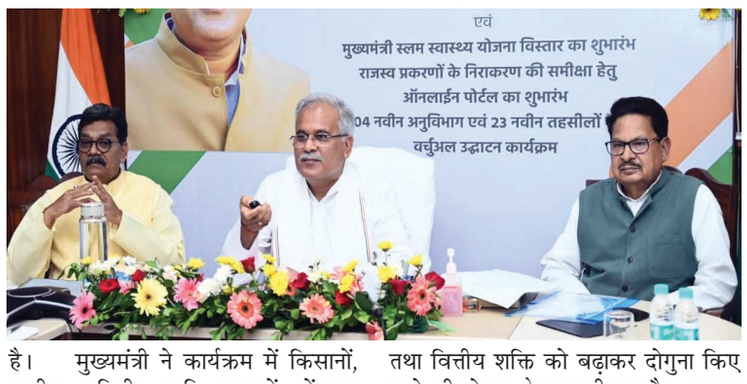

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा है कि छत्तीसगढ़ सरकार गांवों और शहरों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने, वंचितों को न्याय दिलाने, छत्तीसगढ़ के लोगों को सम्पन्न, सक्षम और स्वावलंबी बनाने और उनके कौशल को निखार कर उद्यमी बनाने की रणनीति पर काम कर रही है। वास्तव में छत्तीसगढ़ सरकार की यही रणनीति छत्तीसगढ़ के विकास का मॉडल है, जिसकी आज पूरे देश में चर्चा हो रही है। मुख्यमंत्री आज यहां अपने निवास कार्यालय में विभिन्न योजनाओं के तहत हितग्राहियों के खाते में राशि के सीधे अंतरण कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि राज्य में हर क्षेत्र में तरक्की की बयार बह रही है। रोजगार के नए रास्ते खुले हैं, नवोन्मेष हुए हैं।

यही कारण है कि आज छत्तीसगढ़ में बेरोजगारी की दर मात्र 1.7 प्रतिशत रह गई है, जो राष्ट्रीय औसत 7.4 प्रतिशत की तुलना में बहुत कम है। गोधन न्याय योजना, सुराजी गांव योजना, लघु वनोपज संग्रहण और प्रसंस्करण समेत अनेक महत्वपूर्ण कार्य हो रहे हैं। गोधन न्याय योजना की सराहना आज पूरा देश कर रहा है। देश के कई राज्य इस योजना का अनुसरण करने की ओर बढ़ रहे है। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में किसानों, ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूरों, तेंदूपत्ता संग्राहक परिवारों, पशुपालक ग्रामीणों, महिला समूहों को कुल 1124 करोड़ 92 लाख रूपए की राशि सीधे उनके बैंक खातों में अंतरित की। इस मौके पर उन्होंने प्रदेश में 4 नए अनुविभाग और 23 नई तहसीलों का शुभारंभ करने के साथ ही राजस्व संबंधी शिकायतों को निराकरण की समीक्षा के लिए तैयार वेबपोर्टल को लॉन्च किया। मुख्यमंत्री ने राज्य के नगर निगम क्षेत्रों में संचालित मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना का विस्तार करते हुए इसे अब राज्य के नगर पालिका एवं नगर पंचायत क्षेत्रों में संचालन के लिए 60 नवीन मेडिकल मोबाईल यूनिट का भी लोकार्पण किया।

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने कार्यक्रम के दौरान राज्य के सभी नगर निगम के महापौर, सभापति, नगर पालिका के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष तथा सभी पार्षदों का मानदेय तथा वित्तीय शक्ति को बढ़ाकर दोगुना किए जाने की घोषणा के साथ ही महापौर, अध्यक्ष और पार्षद निधि की राशि को बढ़ाकर डेढ़ गुना किए जाने का ऐलान किया। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने राज्य के सभी नगरीय निकायों में अधोसंरचना विकास एवं जनसुविधा के कार्यों के लिए 579 करोड़ रूपए दिए जाने की घोषणा की, जिसके तहत नगर निगमों को 10-10 करोड़, नगर पालिकाओं को 5-5 करोड़ तथा नगर पचायतों को 3-3 करोड़ रूपए विकास कार्यों के लिए मिलेंगे। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में राज्य के 20 लाख 58 हजार किसानों के खातों में चौथी किश्त के रूप में 1029 करोड़ 31 लाख रूपए की राशि उनके बैंक खातों में अंतरित किए। गौरतलब है कि राजीव गांधी किसान न्याय योजना के जरिए राज्य सरकार द्वारा किसानों के खातों में बीते दो वर्षों में 11 हजार 180 करोड़ 97 लाख रुपये का भुगतान किया जा चुका है। ग्रामीण भूमिहीन परिवारों को आर्थिक सम्बल एवं न्याय देने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ राज्य में संचालित राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना के तहत 3 लाख 55 हजार भूमिहीन परिवारों के बैंक खाते में भी मुख्यमंत्री ने 71 करोड़ 8 लाख रुपये की राशि दूसरी किश्त के रूप में जारी की। मुख्यमंत्री ने कहा कि सुराजी गांव योजना, राजीव गांधी किसान न्याय योजना, राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना और गोधन न्याय योजना ग्रामीण अर्थव्यवस्था और समाज के एक बड़े हिस्से को आर्थिक रूप से मजबूत करने में मददगार साबित हो रही है। राज्य में ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर परिवारों को सांसद श्री राहुल गांधी के मार्गदर्शन में अब 7 हजार रूपए की वार्षिक मदद देने का प्रावधान किया गया है।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने गोधन न्याय योजना के तहत गोबर विक्रेताओं, गौठान समितियों और महिला समूहों को 13 करोड़ 62 लाख रुपये का भुगतान किया। इस योजना के तहत राज्य सरकार की ओर से पशुपालकों, स्व-सहायता समूहों एवं गौठान समितियों को अब तक 226.18 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। शहीद महेन्द्र कर्मा तेंदूपत्ता संग्राहक सामाजिक सुरक्षा योजना के तहत 728 तेंदूपत्ता संग्राहक परिवारों को 10 करोड़ 91 लाख रुपये की बीमा राशि का भुगतान किया गया।

संपत्तिकर जमा करने के लिए तिथि बढ़ी, 15 अप्रैल तक जमा कर सकते हैं वित्तीय वर्ष 2021-22 का संपत्तिकर

15 अप्रैल तक संपत्तिकर जमा करने में नहीं लगेगा अधिभार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। संपत्तिकर जमा करने वाले करदाताओं के लिए राहत भरी खबर है। वित्तीय वर्ष 2021-22 के करदाताओं के लिए टैक्स जमा करने की तिथि बढ़ाई गई है। अब 15 अप्रैल तक संपत्तिकर जमा करने में अतिरिक्त अधिभार देने की आवश्यकता नहीं होगी। इस निर्णय से करदाताओं को काफी राहत मिलेगी। संपत्तिकर जमा करने की अंतिम तिथि पूर्व में 31 मार्च निर्धारित थी, परंतु अब इसकी तिथि 15 दिवस आगे बढ़ गई है। करदाता इस अवधि में अपना टैक्स जमा करके इस छूट का लाभ उठा सकते हैं।

वही आज निगम में टैक्स वसूली के लिए करदाताओं की होड़ लगी हुई थी। आज एक ही दिन में 1 करोड़ 65 लाख की वसूली हुई है। इसके लिए अतिरिक्त रूप से निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे के निर्देश पर 2 काउंटर की तैयारी की गई थी ताकि करदाता आसानी से टैक्स जमा कर सकें। उल्लेखनीय है कि कोविड के कारण नागरिकों को कई सारी परेशानियों का सामना करना पड़ा था, वही लॉकडाउन के कारण व्यापारियों को भी आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ा था।

अधिक से अधिक लोग संपत्तिकर जमा कर सके इसके लिए नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने संपत्तिकर तथा विवरणी जमा करने के लिए 31 मार्च 2022 के अंतिम तिथि में 15 दिवस की विशेष छूट प्रदान की है। निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे के निर्देश पर संपत्तिकर वसूली में तेजी लाने का काम अधिकारियों के द्वारा किया जा रहा था, पूरे माह भर संपत्तिकर जमा करने के लिए टैक्स कलेक्शन काउंटर खुले रहे। मुनादी एवं अन्य माध्यमों से टैक्स जमा करने लोगों से अपील की गई, वही कुर्की दल का गठन कर कुर्की वसूली की कार्यवाही की गई। नतीजन टैक्स की वसूली में खासी वृद्धि हुई है। वही करदाताओं को भी टैक्स जमा करने के लिए सुविधा मिली है। आगे 15 दिन भी टैक्स कलेक्शन काउंटर अवकाश के दिनों में भी खुले रहेंगे। निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे ने लक्ष्य के विरुद्ध शत-प्रतिशत टैक्स वसूली के निर्देश दिए हुए हैं। टैक्स वसूली पूर्ण करने को लेकर निगम आयुक्त लगातार अधिकारियों को निर्देशित कर रहे है। बकायेदारों पर वसूली के लिए सख्ती से कार्रवाई की जा रही है और लाखों रुपए की टैक्स की वसूली हो चुकी है।

पंचभौतिक जगत् सत्य संसार कहलाता है: गोपिकेश्वरी देवी

भिलाई। पंचम दिन प्रवचन को आगे बढ़ाते हुए देवी जी ने संसार के स्वरूप के बारे में बताया कि दो प्रकार का संसार होता है एक सत्य संसार और एक मिथ्या संसार। बाहर का संसार भगवान का बनाया हुआ ये पंचभौतिक जगत् सत्य संसार कहलाता है और हमारे विचारों का हमारी इच्छाओं का संसार मिथ्या संसार कहलाता है । और इन दोनों संसार की जननी माया है और ये माया तीन गुण की होती है सात्विक, राजसिक, तामसिक। और इसी माया के तीन गुणों के कारण इस संसार में किसी की किसी के साथ नहीं पटती, कोई किसी के अनुकूल नहीं होता कोई किसी के सुख के लिए कुछ नहीं करता, कोई किसी को अच्छा नहीं कह सकता।

खास खबर

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देश पर नागरिकों को मिली बड़ी राहत

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देश पर नागरिकों को बड़ी राहत मिली है। राज्य शासन के निर्देश पर आम नागरिकों की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए नगरीय निकायों में संपत्तिकर और विवरणी जमा करने 15 दिवस की विशेष छूट प्रदान की गई है। आम नागरिक अब नगरीय निकायों में संपत्तिकर का भुगतान 15 अप्रैल 2022 तक कर सकेंगे। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग मंत्रालय द्वारा आज इस संबंध में सभी जिला कलेक्टरों, संभाग आयुक्तों और मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर पालिका परिषद एवं नगर पंचायत को निर्देश जारी कर दिए गए है। शासन द्वारा जारी आदेशानुसार नगरीय निकायों में कर दाताओं को संपत्तिकर तथा विवरणी जमा करने के लिए अंतिम तिथि 31 मार्च तक निर्धारित थी। नगरीय निकायों को देय संपत्तिकर की अधितम वसूली और आम नागरिकों की सुविधा के दृष्टिगत विगत वर्ष की भांति और विवरणी जमा करने के लिए अंतिम तिथि में 15 दिवस की विशेष छूट प्रदान की गई है। आम नागरिक अब 15 अप्रैल 2022 तक नगरीय निकायों में संपत्तिकर जमा कर सकते है। आदेश में यह भी कहा गया है कि कार्यालय में आकर नागरिकों द्वारा संपत्तिकर के भुगतान की स्थिति में फिजिकल डिस्टेंसिंग का पालन अनिवार्य रूप से कराया जाए। फिजिकल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए, निकाय के कर्मचारियों द्वारा घर-घर जाकर संपत्तिकर की वसूली की जाए और नागरिकों को ऑनलाईन भुगतान के लिए प्रोत्साहित किया जाए।

पर्यवेक्षक परीक्षा जुलाई 2022 आवेदन 30 अप्रैल तक आमंत्रित

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के ऊर्जा विभाग अंतर्गत मुख्य विद्युत निरीक्षक द्वारा पर्यवेक्षक परीक्षा जुलाई 2022 के लिए 30 अप्रैल तक आवेदन आमंत्रित किया गया है। आवेदक डाक द्वारा अथवा कार्यालय में उपस्थित होकर जमा कर सकते हैं। छत्तीसगढ़ अनुज्ञापन मंडल के सचिव से मिली जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ विद्युत अनुज्ञापन मंडल विनियम 1960 के प्रावधान अनुसार पर्यवेक्षक सक्षमता प्रमाण पत्र (पर्यवेक्षक परीक्षा जुलाई 2022) के लिए नवा रायपुर, अटल नगर, इंद्रावती भवन स्थित मुख्य विद्युत निरीक्षक कार्यालय से 29 अप्रैल तक आवेदन का प्रारूप नि:शुल्क प्राप्त किया जा सकता है। पूर्ण भरा हुआ आवेदन पत्र डाक द्वारा अथवा सीधे कार्यालय में 30 अप्रैल तक जमा कर सकते हैं। पूर्ण भरा हुआ आवेदन पत्र कार्यालय मुख्य विद्युत निरीक्षक छत्तीसगढ़ शासन, बी ब्लॉक, द्वितीय तल, इंद्रावती भवन, नवा रायपुर, अटल नगर, जिला रायपुर के पते पर डाक द्वारा प्रेषित कर सकते हैं। कोरोना संक्रमण के कारण लॉक डाउन के दौरान पूर्व वर्ष 2020 और 2021 में प्राप्त आवेदनों को भी स्वीकार किया जाएगा।

हॉल, दुकान तथा चबूतरा आबंटन के लिए परियोजना प्रभावितों से आवेदन 11 अप्रैल तक

रायपुर। नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण द्वारा वर्तमान में नवा रायपुर के विभिन्न सेक्टर्स में उपलब्ध सभी 26 हाल, दुकान तथा चबूतरा के परियोजना प्रभावितों को आबंटन किए जाने के लिए आवेदन आमंत्रण सूचना 16 मार्च को प्रकाशित कर दी गई है। इसके तहत आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 11 अप्रैल 2022 को अपरान्ह 3 बजे तक निर्धारित है। नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण से प्राप्त जानकारी के अनुसार आवेदक विस्तृत आवेदन प्रपत्र प्राधिकरण की वेबसाईट https://navaraipuratalnagar.com से डाउनलोड कर अथवा प्राधिकरण के कार्यालय से 590 रूपए के आवेदन शुल्क के साथ प्राप्त कर सकते हैं। आवेदक को आवेदन शुल्क के साथ-साथ हॉल, दुकान, चबूतरा के लागत मूल्य का 10 प्रतिशत अर्नेस्ट मनी (ई.एम.डी.) का बैंक ड्राफ्ट एवं अन्य दस्तावेज आवेदन के साथ जमा करने होंगे, जिसका विवरण आवेदन प्रपत्र में दिया गया है। प्रकाशित आवेदन अनुसार हॉल का लागत मूल्य 2 हजार 672 रूपए प्रति वर्गफीट, दुकानों का लागत मूल्य 2 हजार 672 रूपए प्रति वर्गफीट से 4 हजार 356 रूपए प्रति वर्गफीट के बीच तथा चबूतरों का लागत मूल्य 2 हजार 330 रूपए प्रति वर्गफीट है।

अब नगर पालिकाओं एवं नगर पंचायतों में भी घर पहुंच स्वास्थ्य सेवा

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना का किया विस्तार

घर पहुंच स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराने 60 एमएमयू का हरी झण्डी दिखाकर किया शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना के विस्तार कार्यक्रम के अंतर्गत राज्य के सभी नगर पालिकाओं एवं नगर पंचायतों में जनसामान्य को घर पहुंच स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 60 मोबाईल मेडिकल यूनिट का हरी झण्डी दिखाकर शुभारंभ किया है।

शहरी क्षेत्रों में लोगों को उनकी चौखट पर ही स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना 01नवम्बर 2020 को शुरु की गई थी। इसके पहले चरण में सभी 14 नगर निगमों में 60 मोबाइल मेडिकल यूनिट (एमएमयू) एंबुलेंसों के जरिए डॉक्टर अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। नागरिकों को मोबाइल मेडिकल यूनिट द्वारा मेडिकल कैंप के माध्यम से मुफ्त परामर्श, उपचार, दवाईयां एवं टेस्ट की सुविधा प्रदान की जाती है। इस योजना के तहत महिलाओं को घर की चौखट पर ही बेहतर स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराने के लिए दाई दीदी क्लीनिक भी प्रारंभ किए गया है। योजना की सफलता को देखते हुए अब इसे प्रदेश की सभी नगर पालिकाओं एवं नगर पंचायतों में लागू किया जा रहा है। योजना के अगले चरण में 60 नयी मोबाईल मेडिकल यूनिटों के माध्यम से नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों में भी लोगों की चौखट तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाई जाएंगी। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने जनसामान्य को घर पहुंच स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध हो इस उद्देश्य से सभी नगर पालिकाओं एवं नगर पंचायतों में योजना का विस्तार किया है। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ चरणदास महंत, राज्य सभा सांसद पी. एल. पुनिया, गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू, कृषि मंत्री रविंद्र चौबे, नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ. शिव कुमार डहरिया, आबकारी मंत्री कवासी लखमा, महिला एवं बाल विकास मंत्री अनिला भेंडिया, राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल, खाद्य मंत्री अमरजीत भगत, वनमंत्री मोहम्मद अकबर, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री गुरु रूद्रकुमार, अनेक संसदीय सचिव और विधायक, मुख्य सचिव अमिताभ जैन, अपर मुख्य सचिव सुब्रत साहू, कृषि उत्पादन आयुक्त डॉ. कमलप्रीत सिंह सहित सम्बंधित विभागों के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी भी उपस्थित थे ।

स्थानीय स्वशासन को सशक्त बनाने के लिए मुख्यमंत्री ने की कई अहम घोषणाएं

नगरों के विकास के लिए 579 करोड़ रूपए की राशि होगी स्वीकृत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अपने निवास कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में स्थानीय स्वशासन को सशक्त बनाने के लिए कई अहम घोषणाएं की हैं। मुख्यमंत्री बघेल ने नगरीय निकायों में अधोसंरचना विकास हेतु प्रदेश की सभी नगर पालिकाओं के लिए 5 करोड़ रुपए, नगर पंचायतों के लिए 3 करोड़ रूपए के विकास कार्य स्वीकृत किए जाने की घोषणा की है। इसी प्रकार राज्य के 14 नगर निगमों में विकास कार्य के लिए 140 करोड़ रुपए की राशि उपलब्ध कराए जाने की घोषणा भी की है। इस तरह से स्थानीय स्वशासन को सशक्त बनाने के लिए कुल 579 करोड़ रु की राशि स्वीकृत करने की घोषणा मुख्यमंत्री के द्वारा की गयी है।

इसके साथ ही स्थानीय स्वशासन को सशक्त करने की अवधारणा को पूरा करने के लिए सभी नगरीय निकायों के सभी पदाधिकारियों की वर्तमान वित्तीय शक्तियों को भी दोगुना करने की घोषणा मुख्यमत्री बघेल के द्वारा की गयी है। मुख्यमंत्री बघेल ने नगरीय निकायों के जनप्रतिनिधियों को बेहतर विकास कार्य करने की मंशानुरूप बड़ी घोषणा करते हुए प्रदेश के सभी महापौर, सभापति, नगर पालिका एवं नगर पंचायतों के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं सभी पार्षदों के मानदेय को भी दोगुना करने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने अपने उद्बोधन में कहा है कि प्रदेश के नगरीय निकायों के जनप्रतिनिधियों की मेहनत और परिश्रम का ही नतीजा है कि छत्तीसगढ़ ने लगातार तीन बार देश के स्वच्छ्तम् प्रदेश का खिताब हासिल किया है।

गर्मी के दिनों में स्कूलों में शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के लिए सुरक्षा के उपाय के संबंध में एडवाईजरी जारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा गर्मी के दिनों में स्कूलों में शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के लिए सुरक्षा के उपाय के संबंध में एडवाईजरी जारी की है। जिला शिक्षा अधिकारियों की जारी एडवाईजरी में कहा गया है कि स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों विशेष जोखिम में न पड़े इन पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। गर्म हवाओं, लू लगने के सामान्य लक्षण के रूप में उल्टी या दस्त या दोनों का होना पाया जाता है, अत्यधिक प्यास लगती है, तेज बुखार आ सकता है या कभी-कभी मुर्छा भी आ सकती है। इसके लिए पूर्व तैयारी, लोगों में जागरूकता एवं बचाव के उपायों को जानकर ही जीवन को सुरक्षित किया जा सकता है। यह तैयारियां तीन स्तरों- प्रशासन, स्कूल एवं परिवार स्तर पर किया जा सकता है।

लू लगने पर व्यक्ति को छांव में लिटा दें। अगर तंग कपड़े हो तो उन्हें ढीला कर दें अथवा हटा दे। ठंडे गीले कपड़े से शरीर पोछे या ठंडे पानी से नहलाएं व्यक्ति को ओआरएस, नीबू, पानी, नमक-चीनी का घोल पीने को दें, जो शरीर में जल की मात्रा को बढ़ा सके। यदि व्यक्ति पानी की उल्टियां करे या बेहोश हो, तो उसे कुछ भी खाने और पीने को न दें। लू लगे व्यक्ति की हालत में एक घंटे तक सुधार न हो तो उसे तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र में ले जाएं।

जिला शिक्षा अधिकारियों से कहा गया है कि वे शासन स्तर पर गर्म हवाओं, लू लगने के लक्षण एवं प्राथमिक उपचार के संदर्भ में सभी शिक्षकों, विकासखण्ड स्तर पर कार्य करने वाले अधिकारियों का संवेदीकरण किया जाए एवं यह भी बताया जाए कि किन लक्षणों के होने पर प्रभावित को तत्काल विशेष चिकित्सकीय सहायता की आवश्कता होगी। गर्म हवाओं, लू के चलने के दौरान या तापमान के सामान्य से रहने पर स्थितियों की समीक्षा कर आवश्यकतानुसार स्कूलों के संचालन के समय में बदलाव किया जा सकता है। इसके लिए स्कूल शिक्षा विभाग से प्राप्त निर्देश अनुसार आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। गर्म हवाओं, लू से प्रभावित होने पर तत्काल क्या किया जाना चाहिए और क्या नहीं की जानकारी प्राप्त कर उसका प्रचार-प्रसार किया जाना सुनिश्चित किया जाए। सभी स्कूलों में सुनिश्चित किया जाए कि लू लगने की स्थिति में प्रभावितों के लिए पर्याप्त मात्रा में ओआरएस पाउडर जो हीट स्ट्रोक में प्रयोग की जाती है वह सुलभ रहे। लू के चलने के दौरान उसकी चपेट में आने पर लोगों को समुचित चिकित्सा सुलभ करने के लिए जिले के स्वास्थ्य विभाग से समन्वय स्थापित करें। इसमें प्राथकिता के आधार पर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों, स्थानीय चिकित्सालयों आवश्यकतानुसार उपचार, भर्ती कराया जा सके।

शाला स्तर पर सभी शालाओं पर पेयजल स्रोत की सही तरीके से जांच कर ली जाए और यदि आवश्यकता हो तो उसे मरम्मत करा लिया जाए जिससे शुद्ध पेयजल की आपूर्ति में बाधा न पड़े। बच्चों को पेयजल सुलभ तरीके से उपलब्ध हो इसकी व्यवस्था की जाए। सभी शालाओं पर सुनिश्चित किया जाए कि ओ.आर.एस. पाउडर तथा उसके विकल्प के रूप में नमक व चीनी उपलब्धता पर्याप्त मात्र में रहे जो ताप-घात, उल्टी व दस्त होने में प्रयोग किया जाता है। गरम हवाओं लू के चने के दौरान या तापमान के सामान्य से अधिक रहने के दौरान शालाओं का संचालन किन्ही भी परिस्थितियों में टीन शेड के नीचे, खुले में पेड़ के नीचे एस्बेस्टम शीट के नीचे संचालित नहीं किया जाए।

छत्तीसगढ़ में भूपेश है तो भरोसा है: महापौर एजाज ढेबर

महापौर ने नगरीय निकायों के जनप्रतिनिधियों के मानदेय और विकास निधि बढ़ोत्तरी पर मुख्यमंत्री बघेल का जताया आभार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश के सभी नगरीय निकायों के जनप्रतिनिधियों की मानदेय राशि और क्षेत्रीय विकास निधि ने बढ़ोत्तरी पर नगर निगम रायपुर के महापौर एजाज ढेबर ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का आभार जताया है। महापौर ने श्री बघेल की स्थानीय स्वशासन को मजबूत बनाने की मूहिम का पुरजोर समर्थन किया है। एजाज ढेबर ने मुख्यमंत्री बघेल को प्रदेश के सभी नगरीय निकाय प्रतिनिधियों की ओर से धन्यवाद व्यापित किया है। श्री ढेबर ने कहा है कि छत्तीसगढ़ में विकास के लिए 'भूपेश है तो भरोसा है' आज एक बार फिर चरितार्थ हुआ है।

श्री ढेबर ने कहा कि विधानसभा सत्र के दौरान प्रदेश के सभी चौदह नगर निगम के महापौरों ने मुख्यमंत्री बघेल से मिलकर मानदेय बढ़ाने और नगरीय क्षेत्रों में विकास कार्यों के लिए निधि राशि को भी बढ़ाने की मांग की थी। श्री ढेबर ने कहा कि मुख्यमंत्री ने इस मांग को पूरा करके छत्तीसगढ़ में नगरीय क्षेत्रों के विकास की सोच को सच कर दिखाया है। महापौर ने कहा कि छत्तीसगढ़ के नगरीय निकायों ने स्वच्छता के मामले में पूरे देश में 66 पुरस्कार प्राप्त किए हैं। पिछले तीन सालों से छत्तीसगढ़ देश में सबसे स्वच्छ राज्य है। उन्होंने कहा बढ़ी हुई मानदेय की राशि से जनप्रतिनिधियों को प्रोत्साहन मिलेगा और बढ़ी हुई निधि राशि से क्षेत्र में विकास के काम तेजी से पूरे होंगे। महापौर ढेबर ने मुख्यमंत्री बघेल का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि नगरीय निकायों को सभी क्षेत्रों में अव्वल रखने की कोशिश जारी रहेगी। रायपुर शहर को स्वच्छता के मामले में पहले स्थान पर लाने के लिए पुरजोर प्रयास किया जाएगा। शहर की जनता से किए वादे पूरे होंगे।

आज ही मुख्यमंत्री ने प्रदेश की नगरीय निकायो को सशक्त बनाने के लिए निकाय पदाधिकारियों की वित्तीय शक्तियों को दोगुना करने के साथ नगरीय निकायों को अधोसंरचना विकास के लिए 579 करोड़ रूपये की सौगात दी है। श्री बघेल ने प्रदेश के नगरीय निकायों में महापौर, अध्यक्ष और पार्षद निधि को बढ़ाकर डेढ़ गुना करने की भी घोषणा की है। निकाय पदाधिकारियों और पार्षदों का मानदेय दोगुना करने का घोषणा भी मुख्यमंत्री ने की है।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान
विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

स्पाइडर-मैन का खून पीने के लिए तैयार हो रहा है मार्वल का सबसे खतरनाक सुपरहीरो

मार्वल्स यूनिवर्स ने अपनी शुरुआती सीरीज से लेकर अब तक दर्शकों को कई सुपरहीरोज से मिलवाया है। साथ ही कई ऐसे विलेन्स भी सामने रखे हैं, जो देखते ही देखते लोगों के फेवरेट बन गए। एवेंजर्स सीरीज के सुपरविलेन थानोस के आने के बाद से तो दर्शक लगातार सुपरहीरोज के लिए मजबूत चुनौती देखना चाहते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए अब मार्वल अपनी आगामी सीरीज सुपरविलेन्स पर बना रहा है। हालांकि, इन विलेन्स को सीधा बुरा दिखाने की जगह मार्वल इन्हें एंटी-हीरोज की तरह पेश कर रहा है। मार्वल्स ने पहले कुछ प्रयोग स्पाइडरमैन सीरीज के विलेन्स को लेकर किए हैं। कॉमिकबुक्स में स्पाइडरमैन का जानी-दुश्मन 'वेनम' जहां देखते ही देखते दर्शकों को पसंदीदा एंटी हीरो हो गया, वहीं अब मार्वल अपनी नई फिल्म मॉर्बियस ले आया है, जिसमें स्पाइडरमैन सीरीज के ही एक और वैम्पायर विलेन मॉर्बियस के कैरेक्टर को एंटी हीरो की तरह पेश किया गया है।

यह विलेन मार्वल यूनिवर्स की स्पाइडरमैन सीरीज में पहले भी दिखाई दे चुका है। 'द अमेजिंग स्पाइडर-मैन' में दर्शकों के सामने पहली बार मॉर्बियस के कैरेक्टर को पेश किया गया था, हालांकि तब इस विलेन के न तो कैरेक्टर को ठीक से दर्शाया गया और न ही उसकी खूबियों को खुलकर रखा गया। इसी के चलते मार्वल ने अपने इस विलेन को अलग से फिल्म देने का फैसला किया है। इस कैरेक्टर को डेवलप करने की मार्वल की उत्सुकता को इसी बात से समझा जा सकता है कि मॉर्बियस के रोल के लिए स्टूडियो ने किसी अनजान चेहरे की जगह हॉलीवुड के जाने-माने एक्टर जैरेड लीटो को लिया है। लीटो इससे पहले डीसी यूनिवर्स की फिल्म 'द सुसाइड स्कवाड' में जोकर का किरदार भी निभा चुके हैं।

कौन है मॉर्बियस?

स्पाइडर-मैन की दुनिया का यह विलेन नोबेल पुरस्कार जीत चुका एक वैज्ञानिक होता है, जिसे लोग डॉ. मॉर्बियस के नाम से जानते हैं। उसे खून की एक दुर्लभ बीमारी है और वह लगातार अपनी इस बीमारी का इलाज खोजने की कोशिश कर रहा है। एक दिन मॉर्बियस अपनी बीमारी से छुटकारा पाने के लिए वैम्पायर बैट का डीएनए अपने शरीर में इंजेक्ट कर लेता है, जिसके बाद वह एक खौफनाक लिविंग वैम्पायर में बदल जाता है। वैम्पायर बनने के बाद उसमें तरह-तरह की शक्तियां आ जाती हैं।

क्या स्पाइडर मैन से लड़ता दिखेगा मोर्बियस

अब आशंका लगाई जा रही है कि मार्वल अपने इन सुपरविलेन्स पर सीरीज बनाने के साथ आगे इनका क्रॉसओवर स्पाइडरमैन सीरीज से भी करा सकता है। यानी दर्शकों को अलग-अलग या एक ही फिल्म में स्पाइडरमैन के साथ वेनम और मॉर्बियस के बीच मुकाबला देखने को मिल सकता है। इसकी एक झलक स्पाइडरमैन की हालिया फिल्म में देखने को मिली थी, जब पोस्ट क्रेडिट सीन में वेनम की झलकी दिखाई गई थी। उम्मीद जताई जा रही है कि मॉर्बियस के सफल होने के बाद उसे भी स्पाइडरमैन यूनिवर्स में मौका दिया जाएगा।

अब तक ये रह चुके हैं स्पाइडरमैन के विलेन

मोर्बियस से पहले भी स्पाइडरमैन सीरीज में मार्वल कई विलेन्स को पेश कर चुका है। इन सभी से पीटर पार्कर (स्पाइडरमैन) को लड़ने के लिए भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ा था। सीरीज में पहले 'द लिर्जड', 'सैंडमैन', 'डॉ ऑक्टोपस', 'द वल्चर', 'इलैक्ट्रो', 'मिस्टिरियो', 'गॉब्लिन' और 'वेनम' जैसे विलेन स्पाइडरमैन को चुनौती दे चुके हैं। पर देखना अब यह होगा कि क्या 'मोर्बियस' स्पाइडरमैन पर इन सबसे भारी पड़ेगा या वो भी उसके आगे घुटने टेकते दिखाई देगा।

देसी सुपरसोल्जर की भूमिका में चमके जॉन, नए निर्देशक ने भेदा मुश्किल लक्ष्य

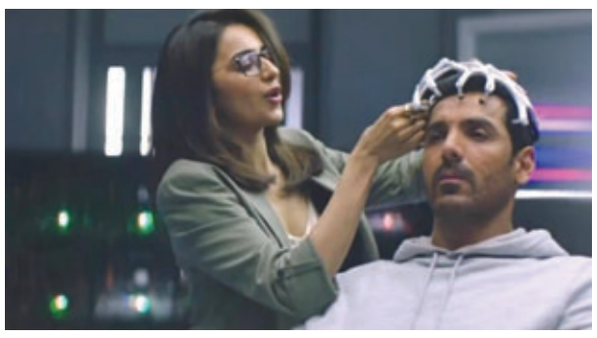

सेनाओं को भविष्य के युद्ध के लिए तैयार रहना है। ये युद्ध सीमाओं पर भी होंगे, सीमाओं के भीतर भी होंगे और सीमाओं से परे भी होंगे। ये युद्ध शारीरिक शक्ति से ज्यादा मानसिक शक्ति का इम्तिहान होंगे और इम्तिहान होंगे हमारे सियासी नेताओं के। फिल्म 'अटैक' एक ही फिल्म के रूप में बननी शुरू हुई, लेकिन जॉन अब्राहम की मानें तो ये फिल्म जहां आकर अपने मिशन का समापन दिखाती है, वहां से इसकी कहानी आगे जानी ही जानी है तो फिल्म का दूसरा भाग भी बनने ही वाला है। स्क्रिप्ट तैयार है। सितारे तैयार हैं, लेकिन क्या पब्लिक तैयार है, आइए इसका पता लगाते हैं। विज्ञान एक अच्छा नौकर है लेकिन इसके हाथ में मालिकाना हक दे दिया जाए तो ये सत्यानाश भी कर सकता है। यूक्रेन में दुनिया इसे देख रही है। फिल्म 'अटैक' के साथ ही रिलीज हुई मार्वल कॉमिक्स की फिल्म 'मॉरबियस' भी विज्ञान पर नियंत्रण की ही कहानी है, लेकिन फिल्म 'अटैक' पार्ट वन में संभावनाएं ज्यादा हैं और यहीं ये फिल्म अपने साथ ही रिलीज हुई हॉलीवुड फिल्म से इक्कीस साबित होती है। फिल्म का सरप्राइज हैं जैकलीन फर्नांडीज, जिन्होंने पहली बार अपने अभिनय को इतनी सहजता से परदे पर पेश किया।

कहानी एक सुपर सोल्जर की

फिल्म 'अटैक' पार्ट वन वहां से शुरू होती है, जहां इन दिनों राष्ट्र प्रेम पर बनी हर फिल्म जाना चाहती है, यानी कश्मीर। अर्जुन शेरगिल के जिम्मे एक मिलिट्री ऑपरेशन है। बात आज से 10 साल पहले की है। 15 साल का एक बच्चा फिदायीन बना सामने मिलता है। अर्जुन उसे बचा भी लेता है। 10 साल बाद वही बच्चा देश के प्रधानमंत्री के सिर पर पिस्तौल सटाए संसद में बैठा है। अर्जुन को समझ आता है कि अच्छा होना अच्छी बात है, लेकिन दूसरे का अच्छा करने से पहले अपना अच्छा करना उससे जरूरी बात है। फर्क इस बीच ये आया है कि एक आतंकी हमले में वह अपनी प्रेमिका आयशा को खो चुका है। उसका शरीर भी गर्दन के नीचे से बेकार हो चुका था लेकिन सेना के एक अफसर ने एक वैज्ञानिक के साथ मिलकर उसे जीवनदान दिया। वह अब सुपरसोल्जर है।

जॉन अब्राहम का नया प्रयोग

सुपरसोल्जर की अवधारणा नई नहीं है। तमाम विदेशी फिल्मों में दर्शक इसे देख भी चुके हैं। नया है इस सुपरसोल्जर का और इसके शरीर में लगाए गए कंप्यूटरीकृत सिस्टम की कृत्रिम मेधा (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) के बीच संवाद। जॉन अब्राहम ने अमेरिका के एक दिव्यांग की कहानी से प्रेरित होकर ये कहानी सोची। फिल्म 'न्यूयॉर्क' के दिनों के अपने परिचित लक्ष्य राज आनंद को इस पर फिल्म बनाने की जिम्मेदारी सोची। सोचने वाली बात यहां ये है कि लक्ष्य राज आनंद को यशराज फिल्म्स की पाठशाला में ट्रेनिंग मिली। भाई भी उनका बड़ा डायरेक्टर है। लेकिन, बतौर निर्देशक उन्हें पहला मौका दिया जॉन अब्राहम ने। वह इसके प्रोड्यूसर भी हैं और जॉन की बनाई फिल्मों की एक ब्रांडिंग तो है कि ये आपको बोर नहीं करती और कुछ नया दिखा जाती है।

तकनीकी रूप से समृद्ध फिल्म

'विकी डोनर', 'मद्रास कैफे' और 'बाटला हाउस' जैसी फिल्मों की बनाई लीक पर आगे बढ़ती फिल्म 'अटैक' पार्ट वन भूमिका बनाने में भले थोड़ी देरी करती हो और इंटरवल के पहले हिस्से में इसकी गति मध्यम भी है लेकिन इंटरवल के बाद ये बिल्कुल 'धूम' मचा जाती है। जॉन अब्राहम हिंदी सिनेमा की फ्रेंचाइजी फिल्मों का सबसे लोकप्रिय चेहरा रहे हैं और उनके चेहरे के मासूमियत के साथ उनकी आंखों में दिखने वाला विश्वास ही उनको इस किरदार के लिए बिल्कुल सही चुनाव बनाता है। फिल्म के एक्शन सीन्स खासे दमदार हैं और हिंदी सिनेमा में अरसे बाद कुछ अलग सा दिखने वाला एक्शन रचने के लिए इसकी पूरी टीम तारीफ की हकदार है।

रॉकी के चाहने वालों के लिए खुशखबरी, सिनेमाघरों में फिर से रिलीज होने जा रही 'केजीएफ चैप्टर वन'

फिल्म 'अटैक पार्ट वन' के बाद दो हफ्ते तक किसी बड़ी फिल्म की रिलीज तय न होने का फायदा अब फिल्म 'केजीएफ' के निर्माता उठाने जा रहे हैं। कन्नड़ सिनेमा के इतिहास की सबसे बड़ी हिट फिल्म बन चुकी 'केजीएफ चैप्टर वन' फिर से रिलीज होने जा रही है और वह भी पहली बार घटी दरों पर। फ्रेंचाइजी फिल्म सीरीज की नई कड़ी की रिलीज से पहले पिछली फिल्म को घटी दरों पर दिखाने का ये प्रयोग अनूठा है। देश में पुरानी फिल्मों को फिर से रिलीज करने की सिने इतिहास में लंबी परंपरा को मल्टीप्लेक्स मालिकों ने बंद कर दिया था। एक जमाना ऐसा भी रहा है जब पुरानी हिट फिल्में घटी दरों पर रिलीज होने पर भी नई फिल्मों से ज्यादा कमाई बॉक्स ऑफिस पर कर लिया करती थीं।

दो घंटे 48 मिनट की फिल्म

'केजीएफ 2' या कहें कि 'केजीएफ चैप्टर 2' को लेकर देश विदेश में बने माहौल के बीच शुक्रवार को फिल्म के सेंसर से पास होने की खबर आई और साथ ही जानकारी ये भी मिली कि इस फिल्म को सेंसर से यूए सर्टिफिकेट मिला है। फिल्म की अवधि करीब दो घंटे 48 मिनट बताई जा रही है। 'केजीएफ-1' दो घंटे 35 मिनट लंबी पिक्चर थी और इसने अपनी रिलीज पर करीब सवा दो सौ करोड़ रुपये की कमाई दुनिया भर में की थी।

यश आज से देश भ्रमण पर

फिल्म 'केजीएफ 2' का माहौल अभी से बनना शुरू हो गया है जबकि फिल्म को रिलीज होने में अभी दो हफ्ते बाकी है। फिल्म के मुख्य अभिनेता आज से ही फिल्म के प्रचार के लिए देशव्यापी भ्रमण पर निकल रहे हैं। शुक्रवार को वह दिल्ली में लोगों से मिलेंगे। वहां की मीडिया के लिए भी उनकी टीम ने काफी बड़ा प्लान इंटरव्यूज आदि के लिए बनाया है। यश ने भी इस बीच काफी अच्छी हिंदी सीखी है और वह कोशिश करते हैं कि हिंदी में बोलने वाले पत्रकारों के जवाब हिंदी में ही दें।

8 अप्रैल को रिलीज होगी केजीएफ 1

यश की उत्तर भारत में लोकप्रियता और 'केजीएफ' फ्रेंचाइजी की दोनों फिल्मों की रिलीज के बीच कोरोना संक्रमण के चलते बने लंबे अंतराल को देखते हुए इसके निर्माताओं ने दर्शकों को 'केजीएफ 2' से पहले की कहानी फिर से याद दिलाने के लिए पहली फिल्म को फिर से रिलीज करने का फैसला किया है। ये फिल्म सभी मुख्य भारतीय भाषाओं में 8 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। खास बात ये रहेगी कि इस फिल्म को दिखाने वाले सिनेमाघर अपनी टिकटों के रेट आम दिनों की अपेक्षा काफी कम रखेंगे। सिनेमा की भाषा में इसे किसी फिल्म का 'घटी दरों पर' रिलीज होना कहते हैं।

कोलाबा से कोलार गोल्ड फील्ड्स तक

'केजीएफ' सीरीज की कहानी मुंबई में पले बढ़े रॉकी की कहानी है। गरीबी में पैदा हुआ और अपराधियों के बीच रहते हुए बेखौफ कातिल बना रॉकी पहली फिल्म में मुंबई के पूरे माफिया पर कब्जा कर लेता है। इसके बाद वह निकलता है कोलार गोल्ड फील्ड्स (केजीएफ) की तरफ और वहां मजदूरों के तरह रहकर तैयारी करता है इन खानों के भविष्य के उत्तराधिकारी गरुणा को मारने की। फिल्म के दूसरे संस्करण में कहानी इन्हीं खानों में रहते हुए रॉकी के गरीबों का मसीहा बनने की है। फिल्म में यश के साथ श्रीनिधि शेट्टी और प्रकाश राज के अलावा संजय दत्त और रवीना टंडन भी हैं। फिल्म कन्नड़ के साथ साथ हिंदी, तमिल, तेलुगू और मलयालम में भी रिलीज होने जा रही है।

Aryan Khan Case: सेशन कोर्ट से एनसीबी को मिला वक्त, अब 60 दिनों में दाखिल करनी होगी चार्जशीट

आर्यन खान से जुड़े ड्रग्स मामले की जांच नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) की स्पेशल इंवेस्टिगेटिव टीम (एसआईटी) द्वारा की जा रही है। 28 मार्च को एनसीबी की एसआईटी टीम ने मुंबई के सेशन कोर्ट में आवेदन कर अदालत से चार्जशीट दायर करने के लिए और समय मांगा है। वहीं आज यानी गुरुवार को विशेष अदालत में एनसीबी को और समय दे दिया है। कोर्ट की तरफ से एनसीबी को 60 दिन का समय दिया गया है। हालांकि, एनसीबी ने कोर्ट से 90 दिन का समय मांगा था। एनसीबी का कहना है कि अभी भी ड्रग्स मामले की जांच जारी है। मुख्य पंच गवाह किरण गोसावी का स्वैच्छिक बयान दर्ज करना अभी बाकी है। इसलिए अदालत को चार्जशीट दाखिल करने के लिए और वक्त देना चाहिए। एनसीबी ने आवेदन कर चार्जशीट जमा करने के लिए कोर्ट से 90 दिन का समय देने का आग्रह किया है।

गौरतलब है कि आर्यन खान ड्रग्स केस की चार्जशीट फाइल करने के लिए एनसीबी को दिए गए 180 दिन 2 अप्रैल को पूरे हो जाएंगे। नियमों के मुताबिक 2 अप्रैल तक एसआईटी को इस मामले में चार्जशीट दायर कर देना चाहिए। हालांकि स्पेशल इंवेस्टिगेटिव टीम ने समय समाप्त होने से पहले ही सेशन कोर्ट से वक्त मांग लिया है।

बता दें कि एनसीबी ने पिछले साल 2 अक्टूबर को लग्जरी क्रूज शिप कॉर्डेलिया पर छापा मारा था।

चुनिंदा किरदारों को ही पर्दे पर जीवंत करते हैं नवाजुद्दीन सिद्दीकी

200 स्क्रिप्ट्स पढ़ने के बाद चुनी केवल पांच

नवाजुद्दीन सिद्दीकी बॉलीवुड इंडस्ट्री का जाना माना नाम है। अपनी अदाकारी के दम पर नवाज एक अलग पहचान बना चुके हैं। इतने कामयाब होने के बाद भी वह लगातार जमीन से जुड़े हुए हैं और बहुत ही सादगी पसंद अभिनेता के रूप में जाने जाते हैं। बॉलीवुड इंडस्ट्री के बड़े अभिनेता होने की वजह से यह तो स्वाभाविक है कि वह लगातार काम करते रहते हैं। नवाज अपने करियर में बहुत ही चुनिंदा फिल्में करने के लिए भी जाने जाते हैं।

नवाजुद्दीन ने कहा उन्हों फेम और पैसे के पीछे भागना पसंद नहीं है। उन्होंने कहा मैंने जितने भी प्रोजेक्ट्स का चयन किया वो एक्सपेरिमेंट करने के लिहाज से सही थे। फिल्मों के चयन को लेकर उन्होंने कहा- मैंने 200 में से सिर्फ पांच स्क्रिप्ट को चुना, जिसके बाद मेरे निर्णय से पहले मुझसे पूछा भी गया कि क्या मैंने पूरी स्क्रिप्ट पढ़ी है, या फिर बिना देखे ही निर्णय ले लिया है।

नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने आगे कहा- किसी भी फिल्म में कैरेक्टर दमदार होना चाहिए, भले ही उसमें कंटेंट के नाम पर कुछ न हो। इसके बाद आप मुझे बताएं कि उस फिल्म में मेरा कैरेक्टर असहज महसूस कराएगा या नहीं। तब मैं किसी एक को चुन सकता हूं। किसी भी फिल्म की प्रक्रिया के बारे में नवाज आगे बताते हैं कि मैं किसी भी फिल्म में अपने कैरेक्टर के बारे में पहले तो सिर्फ एक लाइन में सुनना पसंद करता हूं। अगर मुझे पसंद आता है तब मैं अपने असिस्टेंट से कहता हूं कि मुझे कहानी के बारे में विस्तार से बताओ या फिर फिल्म मेकर्स मेरे पास आएं और मुझे इसके बारे में समझाएं।

नवाजुद्दीन सिद्दीकी को अन्य फिल्म स्टार की तरह विदेशों में छुट्टियां बिताना नहीं पसंद है। वह कहते हैं उनको अपने काम में ही आराम मिल जाता है। नवाजुद्दीन ने बताया- कुछ लोग शौक से आराम करने के लिए ट्रैवेल करते हैं, लेकिन मैं तो सेट पर भी आराम से ही होता हूं। उन्होंने कहा मैं वह शख्स नहीं हूं जिसे शांति के लिए पहाड़ों या फिर कहीं और जाने की जरुरत हो। अगर मैं बाहर भी जाता हूं तो मुझे नहीं लगता कि मैं आराम कर पाउंगा क्योंकि मैं अपने काम को एंज्वाय करता हूं।

गंभीर बीमारी से जूझ रही हैं पायल रोहतगी, शो में किया सनसनीखेज खुलासा

कंगना रणौत का शो लॉकअप इन दिनों काफी चर्चा में है। इस शो में रोज नए-नए ट्विस्ट देखने को मिल रहे हैं। लोगों का भी इस शो से भरपूर मनोरंजन हो रहा है। हाल ही में एक एपिसोड के दौरान निशा रावल का अलग ही रूप देखने को मिला जब जीशान ने बाइपोलर बीमारी पर मजाक करने की कोशिश की। एक्टर इस गंभीर बीमारी पर मजाक कर रहे थे जिसके बाद निशा का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया।

निशा को क्यों आया गुस्सा?

दरअसल, एक टास्क को जीतने के बाद अजमा पल्लाह से जीशान की नोकझोंक देखने को मिली। इस दौरान एक्टर ने उन्हें कह दिया कि वह उनके साथ दोस्ती नहीं करना चाहता क्योंकि वह बाइपोलर हैं। पिर क्या था, यह सुनते ही निशा का गुस्सा फूट पड़ा और उन्होंने जीशान को फटकार लगा दी। निशा ने कहा कि वह क्लिनिकली बाइपोलर हैं। इस बीमारी के बारे में उन्हें जानना चाहिए। निशा ने कहा, 'अच्छा होगा तुम अपने शब्द को वापस ले लो क्योंकि यह बात बाहर जाएगी तो अच्छा नहीं लगेगा।' इसके बाद जीशान ने तुरंत माफी मांगते हुए अपने शब्द वापस ले लिए।

निशा को पायल का मिला साथ

इस तकरार के बाद निशा भावुक हो गईं। इस दौरान पायल रोहतगी उन्हें समझाती हुई नजर आईं। पायल निशा को बताती हैं कि उन्हें भी बाइपोलर डिसऑर्डर है। वह उनका दर्द समझ सकती हैं। पायल कहती हैं, 'मुझे पता है कि तुम अभी कैसा महसूस कर रही हो। प्लीज समझो कई बार हमें शांत रहना पड़ता है वरना चीजें बढ़ जाती हैं। जीशान बच्चा है।'

यह बात सुनते ही निशा दोबारा नाराज हो जाती हैं और कहती हैं कि वह बच्चे हैं इससे उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता, वह अपनी मां के पास जा सकते हैं। बता दें कि यह शो लोगों को काफी पसंद आ रहा है। शो को कंगना रणौत होस्ट कर रही है। इस शो में कई विवादित सेलेब्रिटीज को जगह दी गई है। सभी प्रतियोगियों को इसमें कैदी के रूप में पेश किया गया है। यह शो अल्ट बालाजी और एमएक्स प्लेयर पर देखा जा सकता है।

खास खबर

निरंतर परिश्रम कर आत्मनिर्भर होने कलेक्टर ने किया प्रोत्साहित

सूरजपुर। भैयाथान से वर्चुअल मुख्यमंत्री कार्यक्रम से वापस लौटते दौरान लोधिमा चौक बसदेई के पास एक किसान ने अपनी बारी में खीरे की खेती किया है वह ताजा खीरा तोड़कर झोपड़ी बनाकर बेच रहे थे तभी कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल, डीएफओ मनीष कश्यप तथा जिला पंचायत सीईओ राहुल देव के साथ ताजा खीरे पर नजर पड़ी वहां पर पहुंचकर खीरा खरीदी एवं कटवाकर सभी ने नमक के साथ स्वाद ली और उनके साथ अन्य अधिकारी, कर्मचारी, सैनिक तथा ड्राइवरों को भी कलेक्टर ने खीरा देकर स्वाद दिलाई। गौरतलब है कि गर्मी के मौसम में हर चौक-चौराहों में खीरे का बिक्री किया जा रहा है। कलेक्टर ने खीरा बिक्री कर रहे मानसाय, पत्नी श्रीमती परमेश्वरी, दो बच्चे अंजना और सुनील से बड़ी सरलता और सहजता से बात की। उन्हें कलेक्टर साहब, एसपी साहब, डीएफओ साहब, सीईओ साहब हैं की जानकारी दी गई तब आश्चर्य चकित होकर खुशी से गदगद हो गए एवं उन्होंने बड़ी खुशी से खीरा काटकर नमक मिर्च के साथ खीरा खिलाया। इस दौरान कलेक्टर ने दिन भर में कितने आमदनी होता है की जानकारी ली जिस पर किसान मानसाय ने 500 से 800 रुपए तक आमदनी होने की बात कही। कलेक्टर ने निरंतर परिश्रम कर आत्मनिर्भर होने प्रोत्साहित किया।

शिक्षित समाज से ही सामाजिक कुरीतियों का अंत होगा - गीता

बालोद। ग्रामीण साहू समाज सांगिनकछार एवं परिक्षेत्रीय साहू संघ कोकपुर के तत्वाधान में अत्यंत हर्ष के साथ मां कर्मा की 1006 वी जयंती समारोह का ग्राम सांगिनकछार में आयोजन किया गया। समाज सेविका श्रीमती जय साहू ने संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में विद्यार्थियों को सम्मानित करना समाज के लिए बहुत ही गौरव की बात है। उन्होंने आगे कहा कि साहू समाज सभी क्षेत्रों में अग्रणी है माता कर्मा से प्रेरणा लेकर हमें समाज में एकता एवं संगठित होकर कार्य करें और मां कर्मा की बताएं उपदेशों को जीवन में अपनाएं। राजनांदगांव जिला पंचायत अध्यक्ष गीता घासी साहू ने संबोधित करते हुए कहा कि मां कर्मा ने हमें अन्याय से लड़ना,प्रेम,भक्ति,मानव सेवा का पाठ पढ़ाया है। साहू समाज में नारी शक्ति और वर्तमान मे एक परिवार में नारी भूमिका पर बात कहीं।साहू समाज को नशा मुक्ति की ओर ले जाना है नशा पर कड़ा अंकुश लगाया जाना चाहिए। साहू समाज ही एक ऐसा समाज है जिसकी प्रेरणा लेकर हर समाज एक जुट होकर आगे बढ़ रही है। जनपद पंचायत अध्यक्ष टिकेश साहू ने संबोधित करते हुए कहा कि मां कर्मा की ईश्वर पर आस्था और कठिन परिस्थितियों में भी आत्मबल संबल बनाए रखने के गुण का बखान किया।

केंद्रीय कृषि मंत्री तोमर ने किया भारतीय काजू अनुसंधान संस्थान के रजत जयंती भवन का लोकार्पण

श्रीकंचनपथ न्यूज

नई दिल्ली (पीआईबी)। भारतीय काजू अनुसंधान संस्थान, पुत्तूर (कर्नाटक) के रजत जयंती भवन का शुभारंभ आज केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने, देश की आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत किया। इस अवसर पर तोमर ने कहा कि देश में काजू लगभग सवा 11 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में उगाया जाता है, जिसका वार्षिक उत्पादन साढ़े 7 लाख टन है। देश में काजू का रकबा दुनिया में दूसरा सबसे बड़ा है।

भारत दुनिया में कच्चे काजू उत्पादन में दूसरा सबसे बड़ा देश है। तोमर ने कहा कि भारत में काजू की खपत देश में दिनों-दिन बढ़ रही है तो उत्पादन और खपत के बीच की गैप भरना लक्ष्य होना चाहिए। काजू का आयात घटाकर निर्यातक बनने पर योजनाबद्ध काम किया जाना चाहिए। मुख्य अतिथि तोमर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आत्मनिर्भर भारत व न्यू इंडिया की बात कही है। नए व पुराने भारत में यहीं अंतर है कि पहले बहुत-से क्षेत्रों में हमारी निर्भरता दुनिया पर थी लेकिन न्यू इंडिया में हम हर मामले में आत्मनिर्भर हो, इसी लक्ष्य को लेकर हम सब लोगों को मिलकर काम करने की जरूरत है। कृषि के क्षेत्र में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) तथा उसके सभी संगठन महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर रहे हैं। हमारे कृषि वैज्ञानिक फसलों की उत्पादकता और गुणवत्ता बढ़ाने में लगे हुए हैं, जिसका सद्परिणाम भी देश के सामने निरंतर आता रहता है।

तोमर ने कहा कि काजू की खेती के तहत अधिक क्षेत्र लाकर उत्पादन बढ़ाना व उत्पादकता में वृद्धि करना आवश्यक है। क्षेत्र विस्तार के लिए सभी संभावित उपयुक्त क्षेत्र का पता लगाया जाना चाहिए। तोमर ने प्रसन्नता जताते हुए कहा कि भारतीय काजू अनुसंधान संस्थान ने काजू की 26 किस्में जारी की हैं तथा कृषकों के ज्ञान, प्रौद्योगिकियों के तेजी से प्रसार हेतु ऑनलाइन सॉफ्टवेयर व मोबाइल एप काजू इंडिया विकसित किया गया है। काजू प्रसंस्करण क्षेत्र कृषि में ज्यादा रोजगार पैदा करता है, जिनमें 95 प्र.श. से अधिक महिलाएं हैं, वहीं काजू प्रसंस्करण कारखाने 15 लाख लोगों को रोजगार प्रदान करते हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि संस्थान का नया रजत जयंती भवन नए आयाम के रूप में जुड़ा है। इसके माध्यम से काजू की खेती व शोध को आगे बढ़ाने में सहूलियत होगी और इसका फायदा हमारे किसानों को मिलेगा। आईसीआर ने टेक्नालाजी को बढ़ावा देते हुए अपने कामकाज से किसानों को जोड़ा है, जिसका फायदा किसानों को मिल रहा है, आगे भी ज्यादा से ज्यादा लाभ मिलेगा। तोमर ने भारतीय काजू अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिकों से किसानों की हर बातों का शीघ्रता से समाधान करने को कहा। उन्होंने कहा कि भारत सरकार कृषि क्षेत्र को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है, इस दृष्टि से अपनी योजनाओं के माध्यम से किसानों को आय सहायता देने से लेकर फसल बीमा सुविधा, अधोसंरचना के लिए एक लाख करोड़ रुपये का फंड, किसानों के दस हजार नए एफपीओ बनाने, हर किसान को किसान क्रेडिट कार्ड उपलब्ध कराने जैसे काम करते हुए किसानों के साथ कंधे से कंधा व कदम से कदम मिलाकर काम कर रही है।

विशेष अतिथि केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री कैलाश चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोच के अनुरूप काजू का उत्पादन व क्षेत्रफल बढ़ाने पर भी काम होना चाहिए। केंद्र सरकार की थीम लैब टू लैंड के तहत काजू उत्पादक किसानों को भी लाभ मिलना चाहिए।

सरकार का देश में सूरजमुखी के क्षेत्र व उत्पादन को बढ़ावा देने पर जोर

श्रीकंचनपथ न्यूज

नई दिल्ली (पीआईबी)। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार का देश में सूरजमुखी (सनफ्लावर) के क्षेत्र और उत्पादन को बढ़ावा देने पर जोर है। इस संबंध में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने राज्य सरकारों तथा संबंधित विशेषज्ञों के साथ एक बैठक में विस्तृत विचार-विमर्श किया। बैठक में तोमर ने कहा कि जिस तरह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में देश में दलहन-तिलहन और राष्ट्रीय आयल पाम मिशन प्रारंभ किया गया है, उसी तरह सूरजमुखी को भी योजनाबद्ध ढंग से बढ़ावा दिया जाएगा।

राज्यों व विशेषज्ञों के सुझावों का अध्ययन कर उसके आधार पर इस संबंध में विस्तृत कार्ययोजना बनाई जाएगी। उन्होंने घोषणा की कि सभी प्रमुख राज्य सरकारों और उद्योग, बीज संघों आदि जैसे हितधारकों तथा कृषि आयुक्त व अन्य संबंधित अधिकारियों की एक उप-समिति आगे की रूपरेखा बनाएगी। उन्होंने राज्यों से सूरजमुखी के उत्पादन को बढ़ाने का आग्रह करते हुए राज्य सरकारों को बीज, उद्योगों को सूक्ष्म सिंचाई सहायता आदि जैसे के समर्थन का आश्वासन भी दिया। केंद्रीय कृषि मंत्री तोमर की अध्यक्षता में, नई दिल्ली स्थित कृषि भवन हुई इस उच्चस्तरीय बैठक में उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, आंध्रप्रदेश, महाराष्ट्र, हरियाणा, पंजाब, तमिलनाडु सहित अन्य राज्यों के वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया, वहीं तिलहन क्षेत्र के विभिन्न महत्वपूर्ण हितधारकों, जैसे राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड, नेशनल सीड्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया, फेडरेशन ऑफ सीड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया सहित निजी क्षेत्र के उद्यमियों आदि के साथ भी केंद्रीय मंत्री तोमर ने बातचीत की।

बैठक में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री कैलाश चौधरी व सुशोभा करंदलाजे तथा कृषि सचिव संजय अग्रवाल भी उपस्थित थे। संयुक्त सचिव श्रीमती शुभा ठाकुर ने बैठक का संचालन करते हुए सूरजमुखी के क्षेत्र और उत्पादन पर प्रकाश डाला। सूरजमुखी महत्वपूर्ण तिलहन फसलों में से एक है, जिसे प्रमुख रूप से कर्नाटक, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, पंजाब, हरियाणा में उगाया जाता है। सूरजमुखी के क्षेत्र की गुंजाइश अन्य राज्यों में भी है, जैसे बिहार, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, छत्तीसगढ़ आदि।

बैठक में, उ.प्र. सरकार ने सूक्ष्म सिंचाई के समर्थन से सूरजमुखी क्षेत्र विस्तार में रुचि दिखाते हुए कहा कि सरसों की सफलता के मॉडल को सूरजमुखी के लिए दोहराने की जरूरत है। कर्नाटक, किसानों की आय बढ़ाने के लिए सुनिश्चित सिंचाई सुविधा के साथ सीमांत भूमि में, विशेषकर रबी मौसम में क्षेत्र विस्तार कार्यक्रम जारी रखने के लिए तैयार है। कर्नाटक सरकार ने राज्य के पश्चिमी घाट क्षेत्र में प्रमुख फसलों जैसे अरहर, सोयाबीन, मक्का की इंटरक्रॉपिंग के साथ सोयाबीन की खेती की भी वकालत की तथा बाजरा कार्यक्रम के पैटर्न पर सूरजमुखी क्षेत्र के विस्तार में रुचि दिखाई। आंध्र प्रदेश ने धान क्षेत्र में टीआरएफए भूमि के विस्तार द्वारा सूरजमुखी की खेती में रुचि दिखाई, विशेष रूप से जहां बोरवेल स्थापित हैं।

वहीं, पंजाब धान के रकबे को डायवर्जन कर क्षेत्रविस्तार के लिए तैयार है। हरियाणा ने लगभग 30000 एकड़ के आलू परती क्षेत्र में क्षेत्र विस्तार की योजना बनाई है। तिलहन क्षेत्र के महत्वपूर्ण हितधारकों ने सूरजमुखी के लिए अलग मिनी-मिशन, बीज उपलब्धता, रोग-कीट नियंत्रण, बाजार समर्थन एवं बीमा सहायता के लिए अनुरोध किया है।

नए तहसील कार्यालय के खुलने से जनसुविधा में होगी बढ़ोत्तरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। अहिवारा में नव निर्मित तहसील कार्यालय का शुभारंभ मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा वर्चुअल उपस्थिति दर्ज कराकर किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने वर्चुअल कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को अहिवारा में नए तहसील कार्यालय खुलने पर बधाई दी और कहा कि नए तहसील का निर्माण जनसंख्या जैसे मापदंडों को मानक रखकर खोला गया है। इससे राजस्व मामलों के निपटारे में तेजी आएगी और नागरिकों को इससे विशेष लाभ पहुंचेगा।

ग्रामीण लोगों को भी जमीन संबंधी कागजात और प्रमाण पत्र बनाने के लिए अब दुर नहीं जाना पड़ेगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने बताया कि राजीव गांधी भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना द्वारा दूसरी किस्त के रूप में 03 लाख 55 हजार हितग्राहियों को 71 करोड़ 08 लाख रूपए का भुगतान किया जा चुका है। इसके अलावा तेंदूपत्ता संग्राहक परिवारों को 10 करोड़ 91 लाख रूपए का भुगतान किया गया है। राजीव गांधी किसान न्याय योजना शुरू होने के बाद फसल विविधता के फलस्वरूप फसलों के उत्पादन में वृद्धि हुई है और लोगों का विश्वास खेती की ओर लौटा है। इसका अनुमान आप इसी बात से लगा सकते हैं कि पंजीकृत किसानों की संख्या तुलानात्मक रूप से बढ़ी है। उन्होंने आगे कहा गौधन न्याय योजना की सराहना आज पुरा देश कर रहा है। खुशहाली का नया रास्ता दिखलाने वाली इस योजना को आज कई राज्य अपना रहे हैं। इस योजना से छत्तीसगढ़ में लाखों लोगों को रोजगार मिला है और उद्यमता, उत्पादकता और महिला सशक्तिकरण की दिशा में हमारा प्रदेश मजबूती के साथ आगे बढ़ रहा है। आज राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना गांव के ऐसे हिस्से को आर्थिक संबलता प्रदान करती है, जो समाज का हिस्सा होने के बावजूद सदियों से उपेक्षित रहा है।

ये योजना हमारे ग्रामीण संरचना को मजबूत करने के साथ-साथ मानवीय संरचना को मजबूत करने में भी कारगार साबित हो रही है। बिते कुछ सालों में मशीनों का प्रयोग लगातार बढ़ा है जिससे मजदूरों के सामने रोजगार का संकट लगातार बढ़ा है। रोजगारों की तलाश में लाखों कृषि मजदूरों को अपने घर से पलायन कर काम की तलाश में बाहर जाना पड़ता था। परंतु शासन की योजना ग्रामीणों के लिए हितकर साबित हुई। जिससे आज उन्हें अपने घर के द्वार पर ही रोजगार प्राप्त हो रहा है। उन्होंने महात्मा गांधी को इन न्याय करने वाले सभी योजनाओं के पीछे का प्रेरणास्त्रोत और पथप्रदर्शक बताया। उन्होंने आगे कहा तेंदुपत्ता और लघु वनोपज संग्राहकों को उनके मेहनत और उपज की सही कीमत दिलाकर वन क्षेत्रों के लोगों का आर्थिक सशक्तीकरण किया जा रहा है।

आज तेंदूपत्ता के संग्रहकों को बोनस और बीमा का लाभ दिया जा रहा है। समर्थन मूल्य पर खरीदे जाने वाली खाद्यानों की संख्या 60 से बढ़ाकर 65 कर दी गई है। आज इसके साथ-साथ मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रदेश के आम आदमी के लिए फैसले लेते हुए प्रदेश में 4 नए एस.डी.एम. कार्यालय और 23 नए तहसील खोलने की घोषणा की। इस अवसर पर जनपद पंचायत अध्यक्ष सरस्वती रात्रे, नगर पालिका अध्यक्ष नटवर ताम्रकर, सहायक कलेक्टर हेमंत नंदनवार, एसडीएम धमधा बृजेश सिंह क्षत्रिय, तहसीलदार अजित चौबे एवं अन्य जनप्रतिनिधि व अधिकारी उपस्थित थे।

वित्तीय शक्ति बढ़ने से विकास कार्यो में आएगी तेजी - डॉ तिर्की

श्रीकंचनपथ न्यूज

मुख्यमंत्री की घोषणा से नगरीय निकाय के जनप्रतिनिधियों में हर्ष, जताया आभार

रायपुर। नगर निगम अम्बिकापुर के महापौर डॉ अजय तिर्की ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के द्वारा नगरीय निकायों के जनप्रतिनिधियों के वित्तीय शक्तियों में दोगुना बढ़ोत्तरी की घोषण पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा है कि मुख्यमंत्री के इस महत्वपूर्ण घोषणा से नगरीय निकायों में विकास के कार्यो में तेजी आएगी। वार्डो में ज्यादा विकास के कार्य होंगे जिससे लोगो की उम्मीदों पर खरा उतरने में सहायक सिद्ध होगी। डॉ तिर्की ने मुख्यमंत्री द्वारा मानदेय बढ़ाने की स्वागत करते हुए नगरीय निकाय के जनप्रतिनिधियों को प्रोत्साहित करने वाला बताया। उन्होंने अधोसंरचना मद में मिली राशि से मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के इस घोषणा के लिए निगम के सभी जनप्रतिनिधियों की ओर से उन्हें आभार प्रकट कर हृदय से धन्यवाद दिया है। बिलासपुर नगर निगम के महापौर रामशरण यादव ने नगरीय निकायों को सौगात देने के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने नगरीय निकायों के अध्यक्ष एवं पार्षदों के मानदेय दोगुना करने के साथ ही निकायों में बुनियादी जरूरतों के लिए 597 करोड़ रुपये देने की घोषणा की है। महापौर यादव ने कहा कि पार्षदों और अध्यक्षों का मानदेय बढ़ाने दशकों से मांग की जा रही थी। इस पर पूर्व सरकार ने कभी ध्यान नहीं दिया। आखिरकार मुख्यमंत्री बघेल ने बरसों पुरानी मांग का समाधान कर नगरीय निकाय के जनप्रतिनिधियों का दिल जीत लिया है। यादव ने कहा कि निकायों में छोटे-छोटे काम आसानी से हो सकेंगे। फण्ड के अभाव में कोई भी जनहित का काम नहीं रुकेगा। अंततः इसका लाभ नागरिकों को मिलेगा। न केवल गांव और किसान बल्कि शहर विकास के कामों को भी प्राथमिकता से पूर्ण करने के लिए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को एक बार पुनः बधाई एवं साधुवाद।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने गुरुवार को एक वर्चुलल कार्यक्रम में स्थानीय स्वशासन को सशक्त करने की अवधारणा को पूरा करने के लिए सभी नगरीय निकायों के सभी पदाधिकारियों की वर्तमान वित्तीय शक्तियों को दोगुना करने की घोषणा की है। उपाध्यक्ष एवं सभी पार्षदों के मानदेय को भी दोगुना और महापौर, अध्यक्ष तथा पार्षद निधि को डेढ़ गुना करने की घोषणा की है।

गोधन न्याय योजना से लाभ मिलने पर खुशी समूह की महिलाओं के चेहरे पर आई खुशी

श्रीकंचनपथ न्यूज

कांकेर। छत्तीसगढ़ सरकार की जन कल्याणकारी योजना गौठान और गोधन न्याय योजना के कारण गाँव की महिलाएं आर्थिक रूप से मजबूत हो रही हैं ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति मिल रही है, गाँव की महिलाओं की योगदान से इस योजना का सकारात्मक परिणाम मिल रहा है, राज्य शासन की महत्वाकांक्षी योजना नरवा, गरुवा, घुरवा एवं बाड़ी से नरसिंगपुर गाँव की खुशी स्व-सहायता समूह की महिलाओं के जीवन मे खुशहाली आई है। इसका जीता जागता उदाहरण कांकेर जिले के भानुप्रतापपुर विकास खंड के ग्राम गोठान प्रबंध समिति भैंसाकान्हर-डु के आश्रित ग्राम नरसिंगपुर गोठान गाँव की खुशी समूह की महिलाओं को इस योजना का लाभ लगातार मिल रहा

है। कृषि विभाग से मिला सहयोग एवं ग्रामीण कृषि विस्तार आधिकारी प्रवीण कवाची के तकनीकी मार्गदर्शन तथा सहयोग से नरसिंगपुर गौठान की महिला समूह को गोधन न्याय योजना के तहत वर्मी कम्पोस्ट तैयार करने की विधि, वर्मी एकत्र कर भंडारण करने के तकनिकी प्रशिक्षण दिया गया।

जिसके परिणामस्वरूप महिलाएं वर्मी कम्पोस्ट उत्पादन करने में दक्षता हासिल कर ली है। छनाई, पैकेजिंग करने का कार्य की समूह द्वारा अब तक 03 लाख 04 हजार रुपये का वर्मी खाद विक्रय किया गया है, खुशी महिला समूह के अध्यक्ष जैसवरी उइके ने बताया कि नरसिंगपुर गोठान से अब तक 304 क्विंटल वर्मी खाद उत्पादन कर विभिन्न विभागों एवं लेम्पसों के माध्यम किसानों को परमिट में वर्मी खाद का विक्रय की जा चुकी है, उन्होंने कहा कि वर्तमान में 20 वर्मी टैंको में खाद बन कर तैयार है, जिसे समूह के सदस्यों द्वारा अधिक की आमदनी हुई है। जा रही है, इस वर्ष भी तैयार वर्मी कम्पोस्ट खाद को खरीफ वर्ष 2022-23 में सहकारी समिति लेम्पसों के माध्यम से किसानों को विक्रय किया जायेगा।

नरसिंगपुर खुशी समूह के सदस्य श्रीमती कुंती दर्रो ने बताया कि प्रांरभ में कृषि विभाग के माध्यम से 40 किलोग्राम निःशुल्क केंचुआ कीड़ा उपलब्ध करवाया गया था, कृषि विभाग के ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी प्रवीण कवाची के तकनीकी मार्गदर्शन से ही गोबर से खाद बनाने के साथ केंचुवा कीड़ा उत्पादन में भी समूह की महिलाएं दक्षता हासिल कर ली है, इस वर्ष भानुप्रतापपुर विकासखण्ड के विभिन्न गौठानो के लिए 655 किलोग्राम केंचुआ कीड़ा, 260 रुपये की दर से विक्रय की जा चुकी है, जिससे महिला समूह को 01 लाख 70 हजार रूपये से

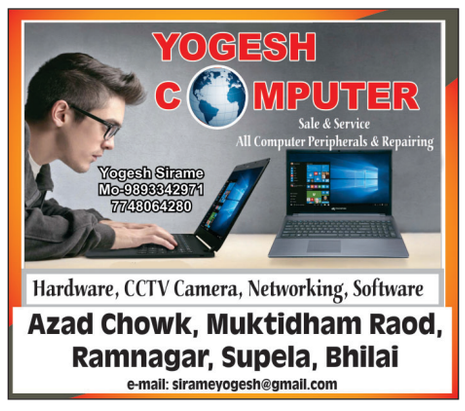

खास-खबर

छत्तीसगढ़ के 150 बेसहारा व घुमंतू बच्चों को मिला आसरा

बिलासपुर (ए)। बेसहारा और घुमंतू बच्चों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट सामने आया है। हाईकोर्ट के निर्देश पर राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण आसरा अभियान चला रहा है। इसके तहत बेसहारा और घुमंतू बच्चों की काउंसिलिंग कर स्कूल में प्रवेश दिलाया जा रहा है। कोरोना काल के बाद प्रदेश में 150 बच्चों का इस योजना के तहत पुनर्वास किया जा चुका है। गरीबी के कारण कई बच्चे पन्नी बिनकर जीविकोपार्जन करने को मजबूर हैं। कुछ के सिर से माता पिता का साया हट गया है। ज्यादतर नशे की गिरफ्त में आ चुके हैं। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के अधिकारी इन बच्चों पर विशेष ध्यान दे रहे हैं। ऐसे बच्चों से मिलकर अधिकारी काउंसिलिंग करते हैं।

पढ़ाई के प्रति उनकी स्र्चि को परखते हैं। आर्थिक स्थिति के कारण स्कूल नहीं जा पाने वाले बच्चों के माता पिता से संपर्क कर काउंसिलिंग की जाती है। इस दौरान बच्चों को स्कूल भेजने के लिए प्रेरित किया जाता है। इस अभियान को सफलता भी मिल रही है। कोरोना काल से फरवरी तक प्रदेशभर में 150 बच्चों को स्कूल भेजने में सफलता मिली है। बिलासपुर से ही 29 बच्चों को गंदी बस्ती से निकालकर स्कूल पहुंचाया गया है। ये बच्चे अब मन लगाकर पढ़ाई भी कर रहे हैं। बेसहारा बेटियों के लिए बालिका गृह व लड़कों के लिए बाल संप्रेक्षण गृह को आशियाना बनाया गया है।

कोरोना संक्रमण की वजह से माता पिता को खोने वाले बच्चों के लिए भी छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट सहारा बना है। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के सदस्य सचिव सिद्धार्थ अग्रवाल का कहना है कि बिलासपुर में ऐसे तीन बच्चे हैं। उनकी पढ़ाई लिखाई से लेकर आवास व भोजन की व्यवस्था प्राधिकरण द्वारा कराई जा रही है। तीनों को निजी स्कूल में प्रवेश दिलाया गया है। प्राधिकरण के अधिकारी इन बच्चों की लगातार निगरानी भी कर रहे हैं।

पिता ने मोबाइल पर गेम खेलने से मना किया, बेटी ने दे दी जान

बिलासपुर (ए)। परीक्षा नजदीक होने पर पिता ने अपनी 20 साल की बेटी को मोबाइल पर गेम खेलने से मना किया। इससे नाराज होकर उसने बुधवार की शाम जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। इससे तबीयत बिगड़ने पर स्वजन उसे लेकर निजी अस्पताल पहुंचे। गुरूवार की सुबह उपचार के दौरान छात्रा की मौत हो गई। घटना की सूचना पर पहुंची सरकंडा पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया है। स्वजन से पूछताछ कर मामले की जांच की जा रही है। सरकंडा के एकता कालोनी में रहने वाली दर्पणा साहू(30) डीपी विप्र कालेज की छात्रा थी। बुधवार की दोपहर वह अपने कमरे में मोबाइल पर गेम खेल रही थी। उसके पिता सुखनंदन ने परीक्षा नजदीक होने की बात कहते हुए मोबाइल खेलने से मना किया। इस पर छात्रा ने मोबाइल रख दिया। इसके बाद सुखनंदन अपने कमरे में चले गए। शाम को छात्रा की तबीयत बिगड़ने लगी। इस पर स्वजन उसे लेकर निजी अस्पताल गए। अस्पताल में उसकी तबीयत सुधार नहीं हो रहा था। स्वजन उसे लेकर मंगला चौक स्थित अस्पताल गए।

बैंक के ग्राहक सेवा केंद्र में लूट

नकाबपोश बदमाश चाकू दिखाकर ले गए 90 हजार रुपए से भरा बैग

भिलाई। दुर्ग जिले में चोरों का आतंक इस कदर बढ़ता जा रहा है कि वह बिना डरे लूट और उठाईगिरी की घटना को अंजाम दे रहे हैं। ऐसा ही कुछ जामुल थाना अंतर्गत छावनी चौक में हुआ। यहां एक बैंक के ग्राहक सेवा केंद्र में दिन दहाड़े दो नकाबपोश युवक पहुंचे और चाकू की नोक पर काउंटर के पास रखा बैग लेकर भाग गए। उस बैग में करीब 90 हजार रुपए नकद भरे हुए थे। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है। हालांकि जामुल टीआई गौरव पाण्डेय ने लूट की घटना से इनकार किया है।

घटना बुधवार शाम 5.30 बजे की है। छावनी चौक के पास एक ग्राहक सेवा केंद्र स्थित है। वहां अचानक दो नकाबपोश बदमाश लाल रंगी बाइक से पहुंचे। उनके हाथ में चाकू था। वो सीधे ग्राहक सेवा केंद्र के काउंटर में पहुंचे। उस समय वहां की स्टाफ नेहा यादव व एक अन्य बैठे थे। आरोपियों ने नेहा को चाकू दिखाया और रुपए से भरा बैग मांगा। इसके बाद बदमाश बैग लेकर बाइक से भाग गए। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और सीसीटीवी फुटेज को खंगाला। उसमें घटना स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही हैं।

आधे घंटे पहले की थी रेकी

पुलिस के मुताबिक नकाबपोश बदमाशों ने उठाईगिरी से पहले ग्राहक सेवा केंद्र की रेकी की थी। एक आरोपी शाम 5 बजे अकेले ग्राहक सेवा केंद्र पहुंचा था। उस समय वहां काम करने वाली दो महिलाएं आपस में बात कर रहीं थी। आरोपी ने महिला को बैग में रुपए रखते हुए देखा। इसके आधे घंटे बाद बाद फिर से दोनों आरोपी पहुंचे। वह सीधे ग्राहक सेवा केंद्र के अंदर गए और काउंटर के पास रखे बैग को लेकर भाग गए।

अमलेश्वर में हो चुका है ऐसा मामला

इस घटना से एक दिन पहले 29 मार्च को अमलेश्वर थाना क्षेत्र में भी ऐसी ही घटना हो चुकी है। थाने में दी गई शिकायत में तोषी ने बताया कि वह पाटन में रहती है और अमलेश्वर के एक हॉस्पिटल में नर्स का काम करती है। 29 मार्च की रात उसने अस्पताल का दरवाजा खुलने की आवाज सुनी। इसके बाद वह स्टाफ चैंबर रूम से बाहर वेटिंग हाल गई। उसने देखा कि माइनर ओटी रूम में दो लड़के ताक झांक कर रहे थे। दोनों ने चेहरे में स्कार्फ बांधा हुआ था। नर्स ने शोर मचाया तो एक लड़का चाकू लेकर नर्स की ओर दौड़ा। डरकर तोषी ने अपने स्टाफ रूम में जाकर अंदर से दरवाजा बंद कर लिया। इसके बाद चोरों ने माइनर ओटी में घुसकर पेशेंट मानीटर व वेटिंग हाल रिसेप्शन के पास का ईसीजी मशीन चोरी कर ले गए।

थाने में खड़ी गाड़ियों में लगी आग

पुलिस जब्त कर लाई थी, 15 बाइक जलीं, आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं

रायपुर (ए)। रायपुर के पंडरी थाने में गुरुवार की दोपहर हादसा हो गया। पुलिस स्टेशन के कैंपस के बाहर खड़ी गाड़ियों में अचानक आग लग गई। ये वो गाड़ियां हैं जिन्हें पुलिस ने अलग-अलग क्रिमिनल केस में जब्त किया था। थाने के बाहर पड़ी इन गाड़ियों से अचानक धुआं उठा और फिर आग लग गई। आग कैसे लगी अब तक पता नहीं चल सका है।

धुआं और लपटें उठते देख पुलिस की टीम ने फायर डिपार्टमेंट को सूचित किया। चंद मिनटों में आग की बड़ी-बड़ी लपटें उठने लगीं। आग काफी तेजी से फैली बाइक के टायर और सीट जैसी चीजों को आग की लपटों में अपनी चपेट में ले लिया। इस हादसे में 15 बाइक के जलने की खबर है। आग पर काबू पाया गया। कुछ ही देर में फायर डिपार्टमेंट की टीम रेसक्यू के लिए पहुंची। यहां एक गाड़ी ने लपटों पर पानी की बौछार की। करीब 45 मिनट की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। थाने के करीब इस हिस्से में और भी गाड़ियां खड़ी थी आग पूरे एरिया में फैल सकती थी। इस हादसे में किसी को कोई चोट नहीं आई है। शाम को इसी जगह के पास बाजार भी लगता है। हादसे वक्त यहां कोई भी नहीं था।

जीएसटी चोरी में कारोबारी गिरफ्तार

बासुदेव मित्तल ओडिशा स्थित कुछ फर्जी फर्मों से फर्जी बिलों की व्यवस्था कर फर्जी इनपुट से टैक्स क्रेडिट ले रहा था

रायपुर (ए)। राजधानी के केंद्रीय जीएसटी और केंद्रीय उत्पाद शुल्क के अधिकारियों ने रायपुर में मेसर्स साईनाथ एंटरप्राइजेज के मालिक बासुदेव मित्तल के कबीरनगर स्थित परिसर में छापा मारा। इनके पास से करोड़ों की कर चोरी के दस्तावेज मिले हैं जिन्हें जब्त कर लिया गया है।

बासुदेव मित्तल ओडिशा स्थित कुछ फर्जी फर्मों से फर्जी बिलों की व्यवस्था कर फर्जी इनपुट से टैक्स क्रेडिट ले रहे थे। इस तरीके से फर्म में 31 करोड़ के माल पर 5.69 करोड़ की जीएसटी के फर्जीवाड़े का पता चला। कारोबारी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया।

जीएसटी के प्रधान आयुक्त बीबी महापात्रा के मुताबिक मेसर्स साईनाथ एंटरप्राइजेज के मालिक बासुदेव मित्तल इस तरह के लेनदेन के एकमात्र लाभार्थी हैं। उन्हें बुधवार को केंद्रीय जीएसटी टीम ने गिरफ्तार किया था। बासुदेव मित्तल को गुरुवार को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। मुख्य न्यायिक

मजिस्ट्रेट ने अभियुक्त को 14 दिनों की रिमांड पर जेल भेज दिया। मित्तल ने गिरफ्तारी के बाद जीएसटी चालान से 76 लाख का टैक्स जमा किया। महापात्रा के मुताबिक रायपुर के केंद्रीय जीएसटी आयुक्तालय की यह छठी गिरफ्तारी है।

वित्तीय वर्ष 2021-22 में ही कर चोरी के 200 से अधिक मामले दर्ज किए गए। इसमें लगभग 650 करोड़ की कर चोरी का पता चला। वित्त वर्ष 2020-21 की तुलना में 3328 करोड़ रुपए अधिक जीएसटी एकत्र किया है। वित्त वर्ष 2020-21 में संग्रहित 9627 करोड़ रुपए जीएसटी की तुलना में, वित्त वर्ष 2021-22 के लिए कुल जीएसटी संग्रहण 12 हजार 961 करोड़ रुपए रहा। अर्थात 35 फीसदी की भारी वृद्धि दर्ज की गई। वहीं अखिल भारतीय स्तर पर 26 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

छत्तीसगढ़ में वित्तीय वर्ष 2020-21 के लिए संग्रहित कुल जीएसटी राजस्व 24 हजार 357 करोड़ रुपए की तुलना में वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए कुल जीएसटी राजस्व संग्रहण 29 हजार 392 करोड़ रुपए रहा। परिणाम स्वरूप कुल मिलाकर 20 फीसदी वृद्धि हुई।

एक करोड़ की टैक्स चोरी बिहार का सीए गिरफ्तार

एक करोड़ की टैक्स चोरी करने वाले सीए को पुलिस ने बिहार से गिरफ्तार कर लिया है। प्रोडक्ट्स मार्केटिंग कंपनी के रोहित शर्मा ने डीडी नगर थाने में एफआईआर दर्ज कर कराई थी। इसमें उन्होंने बताया कि वे ग्लेज ट्रेडिंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में स्वतंत्र वितरक के पद पर काम करते हैं।

कार्यालय, नगर पालिक निगम, भिलाई

क्रमांक/दो/स.वि./2022/1151/380 भिलाई, दिनांक 30/3/2022

//नामांतरण सूचना//

इस ईश्तहार द्वारा हित रखने वाले समस्त हितग्राहियों को एतद्व द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित हस्तान्तरिती के नाम से हस्तांतरण करने मे यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन तिथि से 15 दिवस के भीतर लिखित आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। बाद में प्रस्तुत आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

क.	हस्तांतरणकर्ता का नाम	हस्तांतरिती का नाम	हस्तातरण का स्वरूप	संपत्ति की स्थिति
1	स्व0 बी0बी0 पाटील आ0 बालगोडा पाटील नि–मो. ने.न. पूर्व भिलाई	श्री माधव बाबा साहेब पाटील एवं श्री मुंद बाबा साहेब पाटील दोनो के आ0 बी0बी0 पाटील नि. ने. न. पूर्व, भिलाई	वारिसान हक	मो. ने. न. पूर्व आवासीय योजना ब्लॉक क्र. 26 प्लाट क्र. 01 आकार 216 व0मी0
2	कु. जसपाल कौर आ0 स्व0 पुरन सिंग नि. – हा.नं. 33, 11 गुरुनानक नगर वैशाली नगर, भिलाई	श्रीमती पूनम वर्मा पति तीरथ राम वर्मा नि. 49 वृन्दा नगर वार्ड 19 सुपेला, भिलाई	बिक्रीनामा	मदर टेरेसा नगर सस्ता भवन आवासीय योजना ब्लॉक 46 भवन क्र. 38 आकार 450 व0फी0
3	श्रीमती सत्यवती शुक्ला पति नरेन्द्र देव शुक्ला नि.–बी–01 विद्य़ा विहार वार्ड 49 विद्युत नगर जिला–दुर्ग	श्री रंजन कुमार शुक्ला आ0 स्व0 नरेन्द्र देव शुक्ला नि. –बी–01 विद्या विहार वार्ड 49 विद्युत नगर जिला–दुर्ग	वारिसान हक	उत्तर गंगोत्री व्यवसायिक योजना 17/03 आकार 22.8 व0मी0
4	श्री मनोज कुमार जेना आ0 स्व0 जगन्नाथ जेना नि. –16/04 राधिका नगर सुपेला, भिलाई	श्रीमती सेबिका दत्ता पति श्री आशीष दत्ता नि.–18/04 राधिका नगर सुपेला, भिलाई	बिक्रीनामा	राधिका नगर आवासीय योजना ब्लॉक 18 भूखण्ड क्र. 12 आकार 78.75 व0मी0
5	श्रीमती अलकनंदा खत्री पति स्व0 एन0सी0 खत्री नि.–456 वार्ड 19 एस.पी. बंगला के सामने मधुबन कालोनी छिंदवाड़ा (म0प्र0)	श्री प्रमोद कुमार कामदार आ0 स्व0 भंवर लाल कामदार नि. –एमआईजी–02/2226 एम. पी. हा.बोर्ड औद्योगिक क्षेत्र भिलाई	बिक्रीनामा	लिंक रोड केम्प–02 भिलाई आकार 538.125 व0फु0 में से 387.2 व0फु0
6	मो0 जाहिद आ0 अजमेर खान नि.–326 नूरी मस्जिद लाईन फरीद नगर कोहका, भिलाई	तीर्थराज प्रयाग सिंह आ0 स्व0 शिव कुमार सिंह नि.–47/01 राधिका नगर सुपेला,. भिलाई	बिक्रीनामा	लक्ष्मी नगर सब्जी मण्डी सुपेला, भिलाई ब्लॉक–सी भूखण्ड 31 आकार 19.5 व0मी0
7	श्री नंदकिशोर राम आ0 खेलावन नि.–संग्राम चौक स्टील नगर केम्प–01 भिलाई	श्रीमती रंजीता चौहान पति श्री राजेश चौहान नि.–नेहरु भवन के पीछे सुपेला मार्केट भिलाई	बिक्रीनामा	लक्ष्मी नगर सब्जी मण्डी सुपेला, भिलाई ब्लॉक–बी भूखण्ड 16 आकार 64 व0फु0
8	दानदाता–श्री टीकमचंद जैन आ0 स्व0 रतन लाल जैन नि. –लिंक रोड केम्प–02 पावर हाउस, भिलाई	दानग्रहिता–श्री सुरेशचन्द आ0 स्व0 रतन लाल जैन नि. –लिंक रोड केम्प–02 पावर हाउस, भिलाई	बिक्रीनामा	लिंक रोड केम्प–02 भिलाई आकार 190 व0फु0

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम
भिलाई

टीचर की हत्या में पति गिरफ्तार

शराब के नशे में मारा चाकू, चरित्र पर शंका को लेकर करता था विवाद

दुर्ग। दुर्ग जिले में पेशे से शिक्षक पत्नी की हत्या के आरोपी पति को पुलगांव पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। 25 दिन पहले पुलगांव थाना अंतर्गत ग्राम कोलिहापुरी में दिनदहाड़े आरोपी ने पत्नी पर चरित्र शंका के चलते धारदार हथियार से हमला किया था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 302 के तहत अपराध दर्ज किया है। पुलगांव पुलिस ने बताया कि कोलिहापुरी हाउसिंग बोर्ड कालोनी में रहने वाली साधना साहू (35) अध्यापक थी। उसका पति पोषण साहू (38) शराब के नशे में चरित्र शंका को लेकर उससे आए दिन विवाद करता था। इससे साधना अपने दोनों बच्चों को लेकर कोलहापुरी हाउसिंग बोर्ड में रहने लगी थी। पति को छोड़कर दूसरी जगह रहने के चलते पोषण ने और अधिक झगड़ा करना शुरू कर दिया। दोनों के बीच दूरियां इतनी बढ़ गई थीं कि उनका पारिवारिक विवाद कुटुम्ब न्यायालय में चल रहा था।

आरोपी पोषण साहू 7 मार्च की दोपहर 3 बजे कोलिहापुरी पहुंचा था। वहां उसने साधना से झगड़ा किया। जब दोनों के बीच झगड़ा बढ़ गया तो गुस्से में आकर उसने टंगिया से साधना के ऊपर जानलेवा हमला कर दिया। कई वार करने से साधना की मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद पोषण ने चाकू स्वयं के पेट में घोंप लिया था। घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को तत्काल उपचार के लिए श्री शंकराचार्य अस्पताल जुनवानी में दाखिल कराया था। 25 दिनों तक अस्पताल में इलाज चलने के बाद गुरुवार को आरोपी को डिस्चार्ज किया गया। इसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

बीसी की रकम को लेकर ठेकेदार का अपहरण

बिलासपुर। बीसी की रकम को लेकर दो पक्ष में विवाद के बाद मारपीट हो गया। इस बीच एक पक्ष ने दूसरे पर अपहरण का आरोप लगा दिया। युवक के अपहरण की शिकायत मिलते ही पुलिस मामले की जांच में जुट गई। थोड़ी देर बाद युवक खुद ही थाने पहुंच गया। इसके बाद पुलिस ने दोनों पक्ष को थाने बुलाकर पूछताछ की। देर रात एक युवती समेत तीन लोगों को हिरासत में ले लिया गया। सिविल लाइन क्षेत्र के पारिजता कालोनी में रहने वाले ऋषभ श्रीवास्तव(30) ठेकेदारी करते हैं। ऋषभ और उसके परिवार के सदस्य बीसी भी खिलवाते हैं। एक युवती उन पर बीसी की रकम रखने का आरोप लगा रही थी।

आदित्य ड्राई क्लीनर्स
Pick & Drop Service Available (Terms & Condition Applied)
98271-90875
99938-08453
75877-57239

सोफा पर्दा कारपेट सीटकवर लेदर जैकेट टेडी वियर शू
सभी प्रकार के कपड़ों का आधुनिक तकनीकी से ड्राईक्लीन किया जाता है।
Shop NO.-105, "A" Market, Sector-6, Bhilai (C.G.)

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में

All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

House of tiles

Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षों से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.

रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग

शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

मिस एंड मिसेस
लेडिस वेयर
● गाऊन
● ब्रा. पेन्टी
● नाईटी
● ब्लाउज
सभी प्रकार के अंडरगारमेंट्स की विशाल रेंज

शॉप नं-113, सेक्टर-6, ए मार्केट भिलाई

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी

RUPESH KUMAR
Mob.-9840760388
7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more
कृष्णा टाकिज रोड, विजय भवन के पास, रिसाली, भिलाई
जलाराम मिष्ठान के सामने, इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

माँ दुर्गा ज्वेलर्स

सोने एवं चांदी के आभूषणों विक्रेता
उचित ब्याज में गिरवी रखी जाती है
शॉप नं. 69, सी-मार्केट सेक्टर-6, भिलाई
मो. 9424124911

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER

कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

भगवान झूलेलाल का अवतरण

सिंधी समाज का चेट्रीचंड्र विक्रम संवत का पवित्र शुभारंभ दिवस है। इस दिन विक्रम संवत 1007 सन् 951 ई. में सिंध प्रांत के नसरपुर नगर में रतनराय के घर माता देवकी के गर्भ से प्रभु स्वयं तेजस्वी बालक उदयचंद्र के रूप में अवतार लेकर पैदा हुए और पापियों का नाश कर धर्म की रक्षा की।

यह पर्व अब केवल धार्मिक महत्व तक ही सीमित न रहकर सिंधु सभ्यता के प्रतीक के रूप में एक-दूसरे के साथ भाईचारे को दृष्टिगत रखते हुए सिंधियत दिवस के रूप में मनाया जाता है।

चेट्रीचंड्र महोत्सव के बारे में

बताया जाता है कि सिंध प्रदेश के उद्दा नामक नगर में एक मिरखशाह नामक राजा का राज्य था जो हिन्दुओं पर अत्याचार करता था। वह हिन्दुओं पर धर्म परिवर्तन के लिए दबाव डालता था। एक बार उसने धर्म परिवर्तन के लिए सात दिन की मोहलत दी। तब कुछ लोग परेशान होकर सिंधु नदी के किनारे आ गए और भूखे-प्यासे रहकर वरूण देवता की उपासना करने लगे। तब प्रभु का हृदय पसीज गया और वे मछली पर दिव्य पुरुष के रूप में अवतरित हुए। भगवान ने सभी भक्तों से कहा कि तुम लोग निडर होकर जाओ मैं तुम्हारी सहायता के लिए नसरपुर में अपने भक्त रतनराय के घर माता देवकी के गर्भ से जन्म लूंगा। बड़े होने पर जब राजा का अत्याचार नहीं घटा तो वरूण देव ने अपने प्रभाव से उसे शरण लेने मजबूर कर दिया। तब से सभी मिल-जुलकर रहने लगे। चेट्रीचंड्र महोत्सव पर कई स्थानों पर भव्य मेले भरते हैं और शोभायात्रा निकाली जाती है। चैत्र मास की चंद्र तिथि पर भगवान झूलेलाल की जयंती विश्व में बड़े उत्साह, श्रद्धा एवं उमंग के साथ मनाई जाती है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950